दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

वर्ष-5 अंक-152, भोपाल शनिवार 16 अप्रैल 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

हर व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके कुएं में उतरने वाली बाल्टी झुकती है तब ही पानी लेकर आती है। जीवन में कुछ पाना है तो झुकना सीखिए। - अज्ञात

रायपुर में आईएएस कॉन्क्लेवः सीएम ने देखा अफसरों का हुनर

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दिया संदेश, कहा -गांवों को ऐसा बनाएं कि रोजगार के लिए ग्रामीणों का पलायन ना हो

रायपुर। राजधानी के नवा रायपुर के एक प्राइवेट रिसोर्ट में छत्तीसगढ़ के आईएएस अफसरों के कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेशभर से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफ़सर इस कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों के प्रमुख जिम्मेदार अधिकारी इस कार्यक्रम का प्रमुख हिस्सा हैं। 3 दिन तक चलने वाले इस कॉन्क्लेव का 16 अप्रैल को समापन होगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अफसरों को गांवों के विकास के लिए विशेष तौर पर ध्यान देना चाहिए। इस कार्यक्रम में बतौर अतिथि शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी शामिल हुए। उन्होंने यहां अधिकारियों के साथ मुलाकात की। अफसरों की बनाई पेंटिंग और फोटोग्राफी की प्रदर्शनी भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने देखी। आमतौर पर विभागीय कार्यों में उलझे रहने वाले अधिकारियों के हाथ का हुनर देखकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बोले वाह क्या बात है।

आईएएस अफसर ने छत्तीसगढ़ी में किया संचालन

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जब पहुंचे तो छत्तीसगढ़ी बोली में जय जोहार के साथ सभी अफसरों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद छत्तीसगढ़ी राज्य गीत अरपा पैरी के धार गाया गया। कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़ी में ही आईएएस अफसर रानू साहू ने किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी इस कार्यक्रम में सूट-बूट में नजर आए। आमतौर पर कुर्ते-पजामे में दिखने वाले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अफसरों के साथ अलग अंदाज में मुलाकात करते हुए नजर आए।

मुख्यमंत्री ने कहा- गांवों से पलायन रोकना है

स्वागत के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आईएएस अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा आप गांव में सारी सुविधाएं दीजिये ताकि पलायन ना हो, फिर ग्रामीण गांव से शहर की ओर सिर्फ घूमने आएंगे। गांव उत्पादन का केंद्र बनें और शहर विक्रय का केंद्र बनें। उतना ही उत्पादन करें जितना बिक सके। इतिहास बताता है कि छत्तीसगढ़ पुरातन काल का, करीब 2000 साल पहले का बड़ा व्यापारिक केंद्र था। गांवों में सारी योजनाएं सही तरीके से लागू होंगी, ग्रामीणों को लाभ मिलेगा तो यहां के गांव फिर व्यापारिक केंद्र बनेंगे।

8 लाख लोगों के अमरनाथ यात्रा करने की उम्मीद

नईदिल्ली। इस बार की अमरनाथ यात्रा में करीब 8 लाख लोगों के आने की संभावना है। ये यात्रा 30 जून से 11 अगस्त तक चलने वाली है। अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के सीईओ के अनुसार कोई भी श्रद्धालु बैंक, वेबसाइट, एप्लीकेशन या अमरनाथ पहुंचकर यात्रा का रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर की सेवा बालटाल और नुनवान पर होगी।

उपराष्ट्रपति ने हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा की

अयोध्या। तीन दिवसीय यात्रा पर यूपी आए उपराष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू ने आज अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा अर्चना की। वह आज आज राम मंदिर निर्माण कार्य का प्रेजेंटेशन भी देखने वाले हैं।

केजरीवाल की नकल कर रहे हैं हिमाचल के सीएमः सिसोदिया

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया ने आज हिमाचल प्रदेश के सीएम पर हमला बोला है। सिसोदिया ने कहा कि जयराम ठाकुर ने चुनाव आते ही केजरीवाल की नकल करनी शुरू कर दी है और इसके मद्देनजर ही प्रदेश में 150 यूनिट बिजली मुफ्त, फ्री पानी और महिलाओं के लिए बस का किराया आधा करने की घोषणा की है।

असम के माजुली ने पारंपरिक तरीके से मनाया रोंगाली बिहू

दिसपुर। असम के माजुली में रोंगाली बिहू पारंपरिक तरीके से मना जा रहा है। लोगों ने रोंगाली बिहू को अपने अनोखे तरीके से हमेशा की तरह खेला। बता दें कि असमिया महीने बोहाग के पहले दिन जब राज्य के लोग मनुह बिहू मना रहे हैं, तो कई लोगों ने मनायानदी द्वीप जिले के विभिन्न सतराओं में बुका बिहू (कीचड़ में खेलना) मनाया।

हार्दिक को आप में आने का न्यौता

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी ने आज हार्दिक पटेल को उनकी पार्टी में आने का न्यौता दिया है। आप के गुजरात प्रमुख गोपाल इटालिया ने कहा कि अगर हार्दिक पटेल को कांग्रेस पसंद नहीं है, तो उन्हें आप जैसी विचारधारा वाली पार्टी में शामिल हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से शिकायत करने के बजाय, हार्दिक को यहां योगदान देना चाहिए।

पीएम मोदीः प्रधानमंत्री ने किया सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का शुभारंभ, बोले-

दस साल में रिकॉर्ड संख्या में देश को मिलेंगे नए डॉक्टर

नई दिल्ली , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार गुजरात के भुज में केके पटेल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा कि, देश को आने वाले 10 सालों में रिकॉर्ड संख्या में नए डॉक्टर मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा कि, देश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाने का लक्ष्य हो या सभी के लिए मेडिकल शिक्षा को सुलभ बनाने का प्रयास, देश को आने वाले 10 सालों में रिकॉर्ड संख्या में नए डॉक्टर मिलने वाले हैं।

इस दौरान उन्होंने बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का अर्थ बताया और कहा कि ये केवल बीमारियों के इलाज तक ही सीमित नहीं हैं। वे सामाजिक न्याय को भी बढ़ावा देती हैं। जब किसी गरीब को सस्ता और बेहतरीन इलाज मिलता है, तो उसका सिस्टम में विश्वास मजबूत होता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि, भूकंप से मची तबाही को पीछे छोड़कर भुज व कच्छ के

लोग अब अपने परिश्रम से इस क्षेत्र का नया भाग्य लिख रहे हैं। आज इस क्षेत्र में मेडिकल सुविधाएं मौजूद हैं। इसी कड़ी में भुज को आज एक आधुनिक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल मिला है। यह अस्पताल लोगों को सस्ती कीमत पर अच्छी गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराएगा। दो दशक पहले, गुजरात में केवल 1100 सीटों वाले नौ मेडिकल कॉलेज थे। आज हमारे पास 36 से अधिक मेडिकल कॉलेज हैं, जहां 6000 सीटें उपलब्ध हैं।

डिजिटल हेल्थ मिशन से मरीजों के लिए सुविधाएं

उन्होंने कहा कि, आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन से मरीजों के लिए सुविधाएं और बढ़ेंगी। आयुष्मान हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के माध्यम से आधुनिक और क्रिटिकल हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को जिला और ब्लॉक स्तर तक पहुंचाया जा रहा है। इलाज के खर्च की चिंता से गरीब को मुक्ति मिलती है तो वो निश्चिंत होकर गरीबी से बाहर निकलने के लिए परिश्रम करता है। बीते सालों में हेल्थ सेक्टर की जितनी भी योजनाएं लागू की गई हैं, उनकी प्रेरणा यही सोच है।

जनऔषधि योजना से गरीबों को मिल रहा है लाभ

न्यूज एजेंसी भाषा की रिपोर्ट के अनुसार नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना का भी जिक्र अपने संबोधन में किया. उन्होंने कहा, 'आयुष्मान भारत योजना और जनऔषधि योजना से हर साल गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लाखों करोड़ रुपये इलाज में खर्च होने से बच रहे हैं.' गौरतलब है कि इस अस्पताल का निर्माण भुज के श्री कच्छी लेवा पटेल समाज द्वारा किया गया है. यह पूरे कच्छ में पहला धर्मार्थ सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल है. अस्पताल के बन जाने से सिर्फ भुज ही नहीं बल्कि आस-पास के जिलों के मरीजों को भी फायदा मिलेगा. इस अस्पताल में मरीजों को सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं जैसे कि इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी (कैथलैब), कार्डियोथोरेसिक सर्जरी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन, तंत्रिका शल्य चिकित्सा (न्यूरो सर्जरी), ज्वाइंट रिप्लेसमेंट और अन्य सहायक सेवाएं जैसे कि विज्ञान संबंधी परीक्षण प्रयोगशाला, रेडियोलॉजी इत?यादि सुलभ होंगी.

अशोक गहलोत बोले- राष्ट्र के नाम संदेश जारी करें पीएम

जयपुर। अशोक गहलोत ने कहा कि आज जो कुछ भी हो रहा है उससे कुछ लोग खुश हो सकते हैं। आने वाला वक़्त उनके लिए भी अच्छा नहीं होगा। उनके लिए भी खतरनाक होगा। जो हालात देश के अंदर है, वह तनावपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्र के नाम संदेश जारी करें। राजस्थान के करौली में हुई हिंसा को लेकर राजनीति गर्म है। इन सबके बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर से भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे करौली में दंगा हुआ... पकड़े गए लोग भी निर्दोष हो सकते हैं... मप्र में भी पकड़े गए (झगड़े के लिए) निर्दोष हो सकते हैं। निर्दोष हो या दोषी, उन्होंने लोगों का घर उजाड़ने के लिए यह कदम उठाया है। क्या यह किसी का घर गिराने का साहसिक कदम है। उन्होंने कहा कि अपनी छवि बनाने के लिए किसी गरीब का घर तोड़ना क्या सही है?

अशोक गहलोत ने कहा कि आज जो कुछ भी हो रहा है उससे कुछ लोग खुश हो सकते हैं। आने वाला वक़्त उनके लिए भी अच्छा नहीं होगा। उनके लिए भी खतरनाक होगा। जो हालात देश के अंदर है, वह तनावपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्र के नाम संदेश जारी करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी को देश की जनता से शांति की अपील कर देश के खराब होते माहौल को ठीक करने का प्रयास करना चाहिए। अगर देश के नागरिकों में आपस में मनभेद होगा तो वह देश के अच्छे भविष्य के लिए उचित नहीं होगा।

कोटा में फुटपाथ पर सो रहे परिवार को लग्जरी एसयूवी ने रौंदा, पति की मौत, पत्नी-बच्चे की हालत गंभीर

कोटा, एजेंसी। कोटा में गुरुवार देर रात हिट एंड रन का दर्दनाक मामला सामने आया है। तेज रफ्तार कार ने फुटपाथ पर सो रहे एक परिवार के 3 लोगों को रौंद दिया। हादसे में दिनेश (45) की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पत्नी और बच्चा घायल हो गए। दिनेश सब्जी का ठेला लगाता था। घटना से गुस्साए लोग शुक्रवार सुबह नयापुरा थाने के बाहर प्रदर्शन करने पहुंच गए।

मृतक के रिश्तेदार दिलखुश ने बताया कि एमबीएस हॉस्पिटल के सामने फुटपाथ पर दिनेश अपनी पत्नी व बच्चे के साथ सो रहा था। रात 1 बजे के आसपास

अचानक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर फुटपाथ पर चढ़ गई। इससे दिनेश चपेट में आ गया। उसके सिर पर चोट लगी। मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया, जबकि पत्नी व बच्चा चोटिल हो गए। उन्हें रात में एमबीएस अस्पताल में लाया गया। पत्नी बीनू बाई का हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

सुबह समाज के लोगों ने आरोपी की गिरफ्तारी व कार्रवाई की मांग को लेकर नयापुरा थाने के सामने इकट्ठे हुए। महिलाएं व पुरुष एमबीएस के सामने सड़क पर बैठकर कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। पुलिस की समझाइश के बाद ये लोग सड़क से हट गए। मोर्चरी के बाहर समाज के लोगों का जमावड़ा लगा हुआ है। डीएसपी कालूराम ने बताया कि घटना रात 1 बजे के आसपास की है। कार को जब्त किया गया है। चालक की तलाश की जा रही है।

गृहमंत्री के जन्मदिन पर दी लोगों ने बधाई

भोपाल। मप्र के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का आज जन्मदिन है। इस मौके पर प्रदेश के कई नेताओं सहित लोगों ने बधाई दी है। इसी कड़ी में डॉ. दुर्गेश केसरवानी ने उन्हें बधाई दी एवं उनके यशस्वी जीवन की कामना की। पथरिया की विधायक रामबाई ने भी गृहमंत्री के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई संदेश भेजा है।

जंग के बीच जेलेंस्की से मिलने कीव पहुंचेंगे यूएस प्रेसिडेंट, कमला हैरिस और विदेश मंत्री भी साथ जा सकते हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस-यूक्रेन जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जल्द ही कीव जा सकते हैं। दरअसल, यूक्रेन को समर्थन देने के लिए व्हाइट हाउस की तरफ से एक हाई-लेवल डेलिगेशन कीव जाने वाला है। इसके बाद बाइडेन या वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस के यूक्रेन जाने की उम्मीद जताई जा रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने 9 अप्रैल को कीव जाकर हालात का जायजा लिया था।

जेलेंस्की से आमने-सामने हो सकती है बातः इस दौरे के जरिए अमेरिका खुद को जंग में यूक्रेन के साथ दिखाना चाहता है। साथ ही इस दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से बातचीत भी हो सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जो बाइडेन और कमला हैरिस के अलावा अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के भी कीव जाने की संभावना है। हालांकि इसे लेकर अभी कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इससे पहले अप्रैल महीने में ब्रिटेन, यूरोपियन यूनियन, ऑस्ट्रिया, पोलैंड के राष्ट्र प्रमुख भी यूक्रेन का दौरा कर चुके हैं।

यूक्रेन को लगातार मदद भेज रहा है अमेरिका

युद्ध के बीच अमेरिका की तरफ से यूक्रेन को लगातार मदद पहुंचाई जा रही है। हाल ही में अमेरिका ने यूक्रेन को 800 मिलियन डॉलर की मदद का ऐलान किया है, जिसके बाद कुल अमेरिकी सहायता 3 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गई है।

जंग छिड़ने के बाद पोलैंड जा चुके हैं बाइडेन

जो बाइडेन इससे पहले जनवरी 2017 में बतौर वाइस प्रेसिडेंट यूक्रेन दौरे पर गए थे। रूस-यूक्रेन जंग छिड़ने के बाद राष्ट्रपति बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पोलैंड के दौरे पर जा चुके हैं, जहां उन्होंने पोलैंड में नाटो के साथ मौजूद अमेरिकी सैनिकों से मुलाकात की थी। हालांकि कीव का ये उनका पहला दौरा होगा।

अंग्रेजी के अलावा कोंकणी में अदालती कार्यवाही करने के लिए सावंत बाम्बे हाईकोर्ट को लिखेंगे पत्र

पणजी, एजेंसी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शुक्रवार को 8वें अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि गोवा सरकार बाम्बे हाईकोर्ट को पत्र लिखकर अंग्रेजी के अलावा, कोंकणी भाषा को अदालती कार्यवाही के लिए आधिकारिक भाषा के रूप में सूचीबद्ध करने की मांग करेगी।

सीएम ने आगे कहा कि हिंदी को बढ़ावा देने से न केवल भारत अपनी विविधता में और अधिक एकजुट होगा, बल्कि इससे देश को अखंड भारत के रूप में उभरने में भी मदद मिलेगी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने हिंदी सम्मेलन में कहा, गोवा में बाम्बे हाईकोर्ट की शाखा केवल अंग्रेजी में काम करती है, लेकिन यह अंग्रेजी और कोंकणी दोनों में होनी चाहिए। यही नहीं उन्होंने विधायिका में क्षेत्रीय भाषा क ी आवश्यकता पर बोलते हुए कहा, जब हम न्याय के लिए न्यायपालिका में जाते हैं, तो यह सुनिश्चित करने का हमारा प्रयास होगा कि यह अंग्रेजी के साथ-साथ कोंकणी में भी काम करे। इसके लिए हम उच्च न्यायालय को पत्र लिखेंगे। क्योंकि कोंकणी राज्य की राजभाषा है।

न्यूज ब्रीफ

घर-घर जाकर दिये जायेंगे विद्युत बिल माफी योजना के प्रमाण-पत्र : तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मुख्यमंत्री विद्युत बिलों में राहत योजना-2022 में जती की लाइन ग्वालियर में हितग्राहियों को विद्युत बिल माफी के प्रमाण-पत्र वितरित किये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विद्युत उपभोक्ताओं के 31 अगस्त 2020 तक के एक किलोवाट के विद्युत बिल माफ कर दिये हैं। माफ हुए बिलों के प्रमाण-पत्र उपभोक्ताओं को घर-घर जाकर दिये जायेंगे। मंत्री श्री तोमर ने बताया कि योजना के अंतर्गत प्रदेश के 88 लाख बिजली उपभोक्ताओं को 6414 करोड़ 32 लाख रूपए की राहत दी गयी है। इससे विद्युत के ऐसे उपभोक्ता, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, को सीधा लाभ मिलेगा। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए नये सब स्टेशन बनाये जा रहे हैं। पुराने ट्रांसफार्मर्स को बदल कर नये लगाये जा रहे हैं, जिससे ट्रिपिंग की समस्या से मुक्ति मिली है।

ग्वालियर में बिरला नगर जोन पर जती की लाइन में निवासरत श्री रामप्रसाद का 9 लाख 87 हजार रूपये का बिल माफ किया गया। बिल माफी का प्रमाण-पत्र पाकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा तथा उन्होंने मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ग्वालियर महानगर के 61 हजार उपभोक्ताओं के 165 करोड़ रूपए के बिजली बिल माफ किए गए हैं तथा उप नगर ग्वालियर के 28 हजार 49 उपभोक्ताओं के 100 करोड़ 58 लाख रूपये के बिल माफ किये गये हैं। आज शिविर में बिरला नगर के 4939 उपभोक्ताओं के 22 करोड़ 10 लाख रूपये के बिल माफ किये गये हैं। इस प्रकार के शिविर निरंतर लगाकर उपभोक्ताओं को बिल माफी के प्रमाण-पत्र वितरित किये जायेंगे।

भोपाल एम्स में काम नहीं आ रहा आयुष्मान

» कैंसर पीड़ित महिला के परिजन को कर्ज लेकर खरीदनी पड़ रहीं दवाएं

भोपाल

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल में गरीब मरीजों और उनके परिजन को इलाज के लिए परेशान होना पड़ रहा है। एम्स में भर्ती मरीजों को ज्यादातर दवाइयां बाहर से खरीदनी पड़ रही हैं। आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद मरीजों को कर्ज लेकर दवाएं लानी पड़ रही हैं। केंद्र सरकार द्वारा शुरु की गई आयुष्मान भारत योजना का क्रियान्वयन एम्स जैसे केंद्र सरकार के ही संस्थान में सही तरीके से नहीं हो रहा है।

पत्नी को कैंसर, आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद कर्ज से कर रहे दवाओं का इंतजाम:- अशोकनगर जिले के रहने वाले रमेश (परिवर्तित) की पत्नी को पैंक्रियाटिक कैंसर है। बीते 31 मार्च को रमेश ने अपनी पत्नी को एम्स में भर्ती करवाया। 2 अप्रैल को आयुष्मान कार्ड एक्सेप्ट होने के बाद भी परिजन को खुद पैसे खर्च करके दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। अब तक करीब 30 से 35 हजार रुपए कर्ज लेकर वे इलाज करा चुके हैं। रमेश ने बताया कि एम्स में जांचें निशुल्क हो रही हैं, लेकिन अब

डॉक्टरों ने एक महंगी जांच कराने के लिए कहा है।

एम्स में नहीं हो पा रही जांच

डॉक्टरों ने परिजन को श्वनष्टक स्टेंटिंग करवाने को कहा गया। परिजन ने पता किया तो बताया गया कि एम्स में ERCP स्टेंटिंग करवाने की व्यवस्था नहीं है और परिजन को किसी निजी संस्थान से ये करवाना होगा। परिजन ने जब कुछ निजी अस्पतालों में इसकी कीमत पता की, तो कहीं पर 25 से 30 हजार रुपए तो कहीं पर 35 से 40 हजार रुपए है। मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले मरीज के पति के सामने जांच कराने का संकट आ गया है। उनका कहना है कि एम्स जैसे संस्थान में आयुष्मान काम नहीं आ रहा है।

नए नहीं हैं एम्स भोपाल में ऐसे मामले:- ऐसा पहली बार नहीं है जब आयुष्मान कार्ड होते हुए भी एम्स भोपाल में मरीज और उनके परिजनों को इस तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके पहले भी कई बार ट्विटर पर लोग इस तरह की शिकायत करते नजर आए। कई बार तो इस तरह के ट्वीट्स में प्रधानमंत्री को भी टैग किया गया। लेकिन अब भी इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में ये साफ जाहिर है कि मरीजों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जिम्मेदारों के जवाब

एम्स भोपाल के पीआर सेल के अनुसार, एम्स की फार्मेसी में सभी प्रकार की दवाएं उपलब्ध हैं और डॉक्टर के परामर्श के अनुसार मरीजों को ये दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कई बार मरीज जेनरिक दवा फार्मेसी में दवा उपलब्ध होने के बाद भी बाहर की दुकानों से दवा खरीदने जाते हैं।

क्या है ERCP स्टेंटिंग

ERCP एक ऐसा टेस्ट है जिसमें लीवर, पैंक्रियास, और पित्ताशय के ट्यूबों की जांच की जाती है। अलग-अलग जांच केन्द्रों के हिसाब से ERCP स्टेंटिंग की कीमत 15 हजार रुपए से 55 हजार रुपए तक हो सकती है। एम्स में भर्ती गरीब परिवार की महिला के लिए इतनी महंगी जांच कराना परेशानी का सबब बन गया है।

भोपाल में गुंडा शरीफ बच्चा गिरफ्तार

फ्री फायर गेम विवाद में छात्र पर किया था हमला, 24 साल की उम्र में कर चुका 12 गंभीर अपराध

भोपाल

क्राइम ब्रांच ने हिस्ट्रीशीटर शरीफ उर्फ बच्चा उर्फ मो. इदरीश को गिरफ्तार किया है। वह छात्र पर जानलेवा हमला करने के आरोप में पिछले पांच माह से फरार था। पुलिस ने उस पर तीन हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। शरीफ के खिलाफ अशोका गार्डन, ऐशबाग, बजरिया, मिसरोद, खजूरी सड़क थाना में 12 अपराध गंभीर प्रवृत्ति के अपराध हैं।

तीन बार उस पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई हो चुकी है। उसने सबसे पहले 11 साल की उम्र पहला अपराध किया था। इसके बाद उसकी अपराध में संलिप्तता बनी रही। खुद को बचाने के लिए उसने बच्चों का गैंग बनाया। बच्चों से वह लूट, चोरी, अड़ीबाजी जैसे अपराध कराता रहा। बजरिया, अशोका गार्डन में उसकी गैंग का इतना आतंक रहा कि लोग रात में सेमरा से चांदबड़ जाने में अकेले डरते रहे हैं। रास्ते में ही बच्चा के गैंग के बदमाश लूटपाट, अड़ीबाजी करने लगते हैं। करीब तीन साल पहले बदमाश बच्चा का जिला अदालत में चाकू लहराते हुए वीडियो सामने आया था। कोर्ट में इलाके के लोग बताते हैं कि बचपन से अपराध करने की वजह से उसका नाम बच्चा पड़ा।

10वीं के छात्र पर जानलेवा हमले के बाद हुआ था फरार

जानकारी के मुताबिक करीब पांच पहले मयूर विहार अशोका गार्डन में रहने वाले 10वीं के स्टूडेंट शेख दानिश पर उसने चाकू से हमला कर दिया था। हमले की वजह इतनी थी कि दानिश ने उसे यह कह दिया था कि मैं बच्चा को नहीं जानता है। इस पर उसने चाकू से हमला कर बोला कि तू % शरीफ बच्चा% को नहीं जानता।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गुरु अर्जुन देव की जयंती पर किया नमन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सिख धर्म के पंचम गुरू अर्जुन देव जी की जयंती पर आज मुख्यमंत्री निवास सभाकक्ष में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर सादर नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट सिटी पार्क में लगाए पौधे

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट सिटी पार्क में प्रतिभा फाउंडेशन भोपाल के पदाधिकारी श्रीमती दृष्टि सोनी, श्री योगेश वर्मा, श्रीमती प्रतिभा चौकसे और श्रीमती रोली वर्मा के साथ पौध-रोपण किया। पूर्व विधायक श्री राजेन्द्र सिंह राजपूत भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हरसिंगार और करंज के पौधे लगाए। फाउंडेशन अनेक वर्ष से पर्यावरण-संरक्षण के लिए कार्य कर रहा है। साथ ही दो आँगनवाड़ी केंद्र गोद लेकर उन्हें सुविधायुक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। आँगनवाड़ी में पानी की टंकी, शू रेक, कुर्सियाँ, वजन लेने की मशीन, खिलौने और पुस्तकों के लिए अलमारी की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने फाउंडेशन के पदाधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

उज्जैन की पारेषण क्षमता को मजबूती प्रदान करने ट्रांसको ने ऊर्जीकृत किया 400 के.व्ही. का नया डबल सर्किट

उज्जैन को मिलेगी 500 मेगावाट तक अतिरिक्त पावर

भोपाल

उज्जैन और संपूर्ण मालवा क्षेत्र की पारेषण क्षमता को मजबूती देने के लिये मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कपंनी ने 400 के.व्ही. का डबल सर्किट फीडर ऊर्जीकृत किया है। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक इंजीनियर श्री सुनील तिवारी ने बताया कि गत दिवस पावर ग्रिड के हतुनिया इंदौर स्थित 765 के.व्ही. सब-स्टेशन से उज्जैन के ताजपुर स्थित 400 के.व्ही. सब-स्टेशन के बीच नव-निर्मित 400

के.व्ही. के डबल सर्किट फीडर को ऊर्जीकृत किया गया। इससे मालवा के बहुत बड़े क्षेत्र सहित उज्जैन शहर और आसपास के अन्य सब-स्टेशनों से जुडे औद्योगिक और घरेलू उपभोक्ताओं को बहुत लाभ पहुँचेगा। उन्हें अब गुणवतापूर्ण बिजली उचित वोल्टेज लेवल पर प्राप्त हो सकेगी। इस सर्किट के ऊर्जीकृत होने से नागदा क्षेत्र भी लाभान्वित होगा, जिसे अब उज्जैन से भी बिजली सप्लाई प्राप्त करने का एक अतिरिक्त विकल्प मिल गया है।

500 मेगावाट तक मिल सकेगा उज्जैन को पावर

इस नई लाइन के प्रारंभ हो जाने से ताजपुर स्थित 400 के.व्ही. सब-स्टेशन उज्जैन को 500 मेगावाट तक का अतिरिक्त पावर मिल सकेगा, जिससे उज्जैन से जुड़े 400 के.व्ही. सब-स्टेशन नागदा, 220 के.व्ही. सब-स्टेशन शंकरापुरा, नलखेडा और बड़ौद तथा 132 के.व्ही. तराना, ज्योति नगर (उज्जैन) तथा 132 के.व्ही. विक्रम उद्योगपुरी सब-स्टेशन को भी लाभ पहुँचेगा। उज्जैन शहर की स्थापित पारेषण क्षमता 438 एम.व्ही.ए. की है।

कभी रोजगार की तलाश करने वाले शलभ अब दूसरों को दे रहे रोजगार

भोपाल

सफलता सोचने से नहीं मेहनत से मिलती है और अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो किस्मत भी साथ देती है। कुछ ऐसी ही दास्तान है कुछ माह पहले तक शिक्षित बेरोजगार रहे सीहोर के श्री शलभ चौहान की। इनके लिए बेरोजगारी अब बीते दिनों की बात हो गई और यह संभव हो पाया है प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से। शलभ इस योजना से लाभान्वित ऐसे हितग्राही है, जिन्होंने स्वयं का कील निर्माण का उद्योग स्थापित

कर दूसरो को भी रोजगार के अवसर प्रदान किए है। शलभ ने बताया कि वे सदैव जिंदगी में कुछ बेहतर करने की इच्छा रखते थे। कई प्रतियोगी परीक्षाएँ देने के बाद भी जब उन्हें सफलता नहीं मिली तो माता-पिता भी उनके भविष्य को लेकर चिंतित रहने लगे। शलभ बताते है कि मन में व्यापार करने का विचार तो आया, लेकिन इसके लिए पैसे की कमी आड़े आ रही थी। तब शलभ को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के बारे में पता चला। उन्होंने जानकारी प्राप्त कर ऋण के लिए आवेदन दिया। तत्पश्चात शलभ को 25 लाख रूपए का ऋण स्वीकृत किया गया। शलभ बताते है कि प्राप्त ऋण से उन्होंने अपना कील निर्माण का व्यवसाय प्रारंभ किया और अब अपने साथ ही अन्य लोगो को भी रोजगार दे रहे है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान को काव्य संग्रह एवं स्केच भेंट किया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से आज निवास पर जबलपुर के कक्कड़ परिवार ने भेंट की। मुख्यमंत्री श्री चौहान को स्व. विशाल कुमार कक्कड़ के काव्य संग्रह क्षितिज का कचनार की प्रति भेंट की गई। साथ ही स्व. कक्कड़ के पुत्र युवा चित्रकार श्री अनिकेत कक्कड़ ने मुख्यमंत्री श्री चौहान का पेंसिल से उकेरा स्केच भी भेंट किया। श्रीमती कुसुम कक्कड़, श्रीमती आराधना कक्कड़ और श्री तुषार कक्कड़ उपस्थित थे।

थम्ब इम्प्रेशन नहीं मिलने पर नॉमिनी के माध्यम से दिया जा रहा है खाद्यान्न : श्री किदवई

शत-प्रतिशत हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण

भोपाल

प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री फैज अहमद किदवई ने बताया कि शारीरिक अवस्था के कारण हितग्राहियों के थम्ब इम्प्रेशन बायोमेट्रिक मशीन पर मिलान नहीं होने से हितग्राही को नॉमिनी के माध्यम से खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण का लक्ष्य है। मशीनी कारणों से यदि कोई हितग्राही खाद्यान्न से वंचित होता है, तो वह जिला खाद्य अधिकारी से सप्रमाण सम्पर्क कर खाद्यान्न प्राप्त कर सकता है। श्री किदवई ने बताया कि पात्र हितग्राही, जिनका बायोमेट्रिक सत्यापन सफल नहीं हो पाता है, उन्हें नॉमिनी के माध्यम से राशन का वितरण किया जा रहा है। अभी तक 62 हजार 384 परिवारों द्वारा बनाये गये नॉमिनी को राशन का वितरण किया जा रहा है। पात्र हितग्राही, जिनके अँगूठे या उँगली के निशान घिस गए हैं, उनका एक से अधिक उँगली के निशान से मेच कर बायोमेट्रिक सत्यापन उपरांत राशन का वितरण किया जा रहा है।

प्रमुख सचिव खाद्य ने बताया कि पात्र हितग्राही की बायोमेट्रिक सत्यापन के अतिरिक्त पात्र हितग्राही की पहचान आधार नंबर पर दर्ज मोबाइल पर ओटीपी देखकर सत्यापन की व्यवस्था भी शीघ्र लागू की जा रही है। इससे जिन बुजुर्ग व्यक्तियों का बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं हो पाता है, उन्हें ओटीपी के आधार पर सत्यापन उपरांत राशन वितरित किया जा सकेगा। प्रमुख सचिव श्री किदवई ने बताया कि प्रदेश में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 में शामिल 5 करोड़ से अधिक पात्र हितग्राहियों को 25 हजार उचित मूल्य दुकानों से राशन सामग्री का वितरण प्रतिमाह किया जा रहा है। पात्र परिवार के सदस्यों में से कोई भी सदस्य, उचित मूल्य दुकान से सामग्री प्राप्त कर सकता है। प्रदेश की लगभग 24 हजार 500 उचित मूल्य दुकान, जिन पर नेट कनेक्टिविटी उपलब्ध है, से हितग्राही की पहचान बायोमेट्रिक सत्यापन से करने के बाद राशन का वितरण किया जाता है, ताकि पात्र हितग्राही का राशन अन्य कोई व्यक्ति न ले सके। श्री किदवई ने बताया कि पीओएस मशीन के नवीन सेवा प्रदाता के चयन की कार्रवाई प्रचलित है। लगाई जाने वाली नवीन पीओएस मशीन में बायोमेट्रिक सत्यापन के आइरिस स्केनर से सत्यापन की व्यवस्था की जा रही है। प्रदेश के सभी पात्र परिवारों को पात्रता अनुसार एनएफएसए एवं प्रधानमंत्री गरीब कल्याणअन्न योजना से खाद्यान्न एवं अन्य सामग्री का वितरण किया जा रहा है। राशन वितरण के लिये हितग्राहियों को चालू माह के साथ आगामी माह की 10 तारीख तक राशन का वितरण किया जा रहा है। पात्र हितग्राही को पोर्टेबिलिटी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। कोई भी पात्र हितग्राही आधार सत्यापन न होने के कारण राशन से वंचित नहीं है।

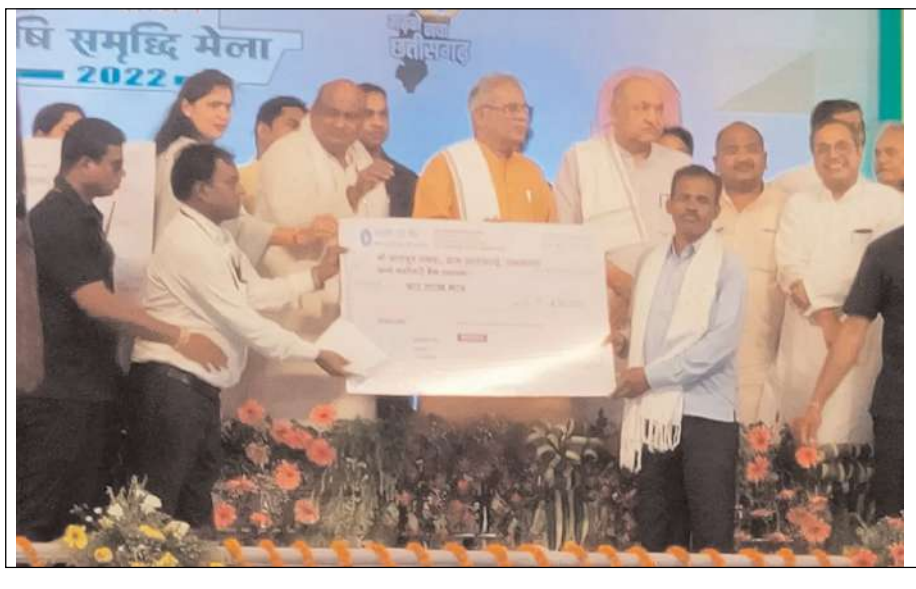

राज्य स्तरीय कृषि समृद्धि मेले में शामिल हुए सीएम भूपेश बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज बिलासपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कृषि समृद्धि मेले में शामिल हुए। इस मौके पर बिलासपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल, कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, संसदीय सचिव श्रीमती शंकुतला साहू, कृषक कल्याण परिसद् के अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्षश्री रामकुमार पटेल, बीज निगम के अध्यक्ष अग्नि चंद्राकर, पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, गौसेवा आयोग के अध्यक्ष रामसुंदर दास, विधायक श्री शैलेश पांडे और रजनीश सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजपूत ने किया ग्राम डिडौंरी और खुड़िया के गौठान का निरीक्षण

मुंगेली । कलेक्टर श्री अजीत वंसत के मार्गदर्शन में शासन की महत्वाकांक्षी सुराजी गांव नरवा, गरूवा, घुरवा अउ बाड़ी योजना एवं गोधन न्याय योजना के क्रियान्वयन की जमीनी स्तर पर हकीकत जानने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री डी.एस. राजपूत जिले के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर गौठानों का लगातार निरीक्षण कर रहें है। इसी कड़ी में श्री राजपूत ने विगत दिनों लोरमी विकासखण्ड के ग्राम डिडौंरी और खुड़िया के गौठान का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम डिडौंरी के गौठान में वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, मवेशियों के लिए पेयजल, छाया, एसएचजी शेड आदि का अवलोकन किया। उन्होंने गौठान में पौधा रोपण, बाड़ी विकास के तहत सब्जी उत्पादन और सुचारू रूप से गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी कार्य के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजपूत ने ग्राम खुड़िया के गौठान का निरीक्षण कर वहां वर्मी कम्पोस्ट निर्माण एवं संचालित विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियों का जाएजा लिया। उन्होंने गौठान में मुर्गी पालन, बकरी पालन और सब्जी उत्पादन कार्य हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने स्व सहायता समूह की महिलाओं से भी चर्चा की और गौठान में अधिक से अधिक आजीविकामूलक गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप ग्रामीण अर्थवयवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए गौठानों को आजीविका केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

मंत्री टीएस सिंहदेव ने की हड़ताल पर बैठी मितानिनों के प्रति चिंता व्यक्त

रायपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने मुख्यमंत्री बघेल को विभागीय प्रस्ताव भेजकर लगभग 2 हफ्तों से हड़ताल पर बैठी मितानिनों के प्रति चिंता व्यक्त की है, उन्होंने अपने प्रस्ताव में प्रदेश में कार्यरत लगभग 72000 मितानिनों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लिखा है कि स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत मितानिन बहनें विगत 13 दिनों से धरने पर बैठे हैं (जिन्हें हम स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ की हड्डी कहते हैं) लगभग 40 डिग्री से अधिक तापमान में और रात्रि में असुविधाओं के साथ मच्छर इत्यादि की समस्याओं के बाद भी अपनी मांगों को लेकर धरना स्थल पर बैठे हैं. स्वास्थ्य विभाग ने अपनी ओर से अनौपचारिक चर्चाओं का माध्यम भी बना रखा है और इन्हें समझाईस देकर अत्यधिक परेशानियों का वहन न कर हड़ताल से वापस जाने का सुझाव दे रहे हैं. गौरतलब है कि स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव मितानिनों के विषय पर पूर्व में 2 बार वित्त विभाग को पत्र लिख चुके हैं, जोकि किन्हीं कारणों से लंबित रहा है. इसके अतिरिक्त सिंहदेव ने मितानिनों के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात कर उनकी मांगों पर विस्तृत चर्चा की है और इस चर्चा से प्राप्त जानकारी को ध्यान में रखकर स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव ने महत्वपूर्ण सुझावों का प्रस्ताव लिखकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भेजा है.

सुबह 8 बजे से गिनती;14 टेबल लगाई गई,3 लेयर की होगी सुरक्षा व्यवस्था

खैरागढ़ में मतगणना आज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में खैरागढ़ उपचुनाव के लिए कल यानी शनिवार को मतगणना होगी। राजनांदगांव शहर में स्थित बीज निगम कार्यालय परिसर को मतगणना स्थल बनाया गया है। यहां पर सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। इसके लिए 14 टेबल लगाई गई हैं। जिसमें 21 राउंड में मतों की गणना की जाएगी। प्रशासनिक स्तर पर इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, 16 अप्रैल की सुबह उम्मीदवारों और अब्जर्वर की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम खोला जाएगा। पहले डाक मतपत्रों की गणना की जाएगी। सके बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से हुए मतदान की गणना होगी। मतगणना के लिए प्रत्येक टेबल पर दो गणना अधिकारी के साथ एक माइक्रो ऑब्जर्वर की नियुक्ति की गई है।

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर प्रतिबंध

मतगणना केंद्र के भीतर मोबाइल फोन अथवा किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने की अनुमति नहीं होगी। सिर्फ पास धारियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। मतगणना का कार्य देर शाम तक पूर्ण होने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि दोपहर तक जनादेश की स्थिति स्पष्ट होने लगेगी और विजयी उम्मीदवार का चेहरा भी सामने आ जाएगा।

तीन लेयर में है सुरक्षा व्यवस्था

खैरागढ़ विधानसभा उप चुनाव के लिए 12 अप्रैल को मतदान हुआ था। अब 16 अप्रैल को मतगणना का कार्य शुरू होगा। इसके लिए एक दिन पहले से कर्मचारियों को ड्यूटी पास बांट दिए गए हैं। वहीं मतगणना स्थल पर 3 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी तारण प्रकाश सिन्हा ने शुक्रवार को मौके पर पहुंच मतगणना स्थल पर रिहर्सल का जायजा लिया।

खैरागढ़ विधानसभा के लिए 12 अप्रैल को हुए मतदान में 77.84त्न वोट पड़े थे। जिसमें 78.92त्न पुरुष और 77.74त्न महिला मतदाताओं ने मतदान किया है। यहां कुल मतदाता 2 लाख 11 हजार 516 हैं। इसमें 1 लाख 5 हजार 250 महिला और 1 लाख 6 हजार 266 पुरुष मतदाता हैं। यानी कि दोनों की आधी-आधी हिस्सेदारी है। जबकि इनमें 80 वर्ष से अधिक 1612 और नए मतदाता 3752 हैं। जबकि दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 1011 और सर्विस वोटर 89 शामिल हैं।

यह 10 उम्मीदवार हैं मैदान में

यशोदा वर्मा - कांग्रेस, कोमल जंघेल - भाजपा, नरेंद्र सोनी - जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़, मोहन भारती - राष्ट्रीय जनसभा पार्टी, अरुणा बनाफर - निर्दलीय, साधुराम धुर्वे - निर्दलीय, नितिन कुमार भांडेकर - निर्दलीय, विप्लव साहू - फॉरवर्ड डमेक्रेटिक लेबर पार्टी, ढालचंद साहू - आम्बेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया, संतोषी प्रधान - गोंडवाना गणतंत्र पार्टी

पिछली बार जेसीसीजे के कब्जे में थी सीट

2018 में हुए विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के देवव्रत सिंह ने इस सीट पर भाजपा की कोमल जंघेल को केवल 870 वोटों के अंतर से हराया था। नवम्बर 2021 में देवव्रत सिंह का निधन हो गया। इसके बाद से यह सीट खाली है। 2013 में कांग्रेस के गिरवर जंघेल यहां से विधायक थे। 2007 के उप-चुनाव और 2008 के आम चुनाव में भाजपा के कोमल जंघेल ने यह सीट जीती। इससे पहले कांग्रेस के देवव्रत सिंह यहां से विधायक हुआ करते थे।

रायपुर रेलवे स्टेशन में सक्रिय पाकेटमार गिरोह का भंडाफोड़, 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। कांग्रेस विधायक डा विनय जायसवाल के चोरी हुए आईफोन मोबाइल का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। जीआरपी पुलिस ने मामले का राजफाश करते हुए इस पूरी घटना के पीछे झारखंड गिरोह का हाथ बताया है। जीआरपी पुलिस झारखंड से एक नाबालिग समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर रायपुर ले आई है। पुलिस ने पाकेटमारों के कब्जे से अन्य 25 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बतादें कि 13 अप्रैल की रात अंबिकापुर एक्सप्रेस से अंबिकापुर जा रहे मनेंद्रगढ़ विधायक विनय जायसवाल रायपुर रेलवे स्टेशन पर पॉकेट मारी का शिकार हुए थे।

पत्नी पर हमला कर फरार पति ने किया सुसाइड

कोरबा। कोरबा जिले में चरित्र संदेह पर एक पति ने अपनी पत्नी की गला रेत कर हत्या करने का प्रयास किया है। घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के बाद पति मौके से फरार हो गया और फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। मामला कोरबी चौकी अंतर्गत जलके गांव का है। मिली जानकारी के अनुसार जलके गांव निवसी अशोक अपनी पत्नी सुषमा के चरित्र पर संदेह करता था। अशोक सुषमा को लेने ससुराल आया था। इस दौरान अशोक ने सुषमा का गला रेत कर हत्या करने का प्रयास किया। घटना के बाद अशोक मौके से फरार हो गया और पेड़ पर फांसी लगा कर अपनी जान दे दी। वही घायल सुषमा की हालत गम्भीर है, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

महिला इंजीनियर से लाखों की ठगी, शातिर ने दिया क्रेडिट कार्ड में रिवार्ड का लालच

रायगढ़। जिले में साइबर क्राइम के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। जानकर हैरत होगी कि पिछले तीन महीने में ही साइबर क्राइम के जरिए ठगी के 33 मामले सामने आ चुके हैं। साइबर क्राइम के आंकड़ों में पिछले तीन महीने में भी 40 फीसदी का इजाफा भी हुआ है। खास बात ये है कि डॉक्टर-इंजीनियर जैसे शिक्षित वर्ग के लोग भी ठगी के शिकार हुए हैं। पुलिस साइबर क्राइम को रोकने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाने का दावा कर रही है। लेकिन फिर भी आंकड़े दावों की पोल खोल रहे हैं। रायगढ़ जिले में पिछले दो सालों के भीतर साइबर क्राइम के आंकड़ों में अचानक से इजाफा हुआ है। अपराधी क्राइम के तरीके बदलकर लगातार भोले भाले लोगों को शिकार बना रहे हैं। अगर आंकड़ों की बात करें तो जिले में 2020 में साइबर क्राइम के जरिए ठगी की 64 शिकायतें दर्ज की गई थीं। बीते साल ठगी की 75 शिकायतें आई। इस साल तीन महीने में ही साइबर के जरिए ठगी के 33 मामले सामने आ चुके हैं। ज्यादातर मामलों में ठगों ने

केवाईसी अपडेट करने, फोन पे और क्रेडिट कार्ड पर रिवार्ड देने जैसे तरीकों से ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। एक एनआरआई महिला इंजीनियर से क्रेडिट कार्ड में रिवार्ड का झांसा देकर ठगों ने 2 लाख 94 हजार रुपए खाते से उड़ा लिए। मामले में पुलिस जांच कर रही है लेकिन ऐसे मामलों में कमी आने की बजाए लगातार वृद्धि हो रही है। पुलिस के पास आई शिकायतों में 55 फीसदी लोग शिक्षित व नौकरीपेशा वर्ग के हैं।

आकांक्षी जिला के सूचकांको में प्रगति की किया गया समीक्षा

कांकेर। अपर कलेक्टर एस.पी वैद्य एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुमित अग्रवाल ने आज जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर आकांक्षी जिला के सूचकांकों मे प्रगति की समीक्षा किया तथा बेहतर कार्य करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। स्वास्थ्य सुविधाओ एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में अधोसंरचना निर्माण तथा कर्मचारियों की भर्ती, पेयजल, प्रधानमंत्री सड़क निर्माण में प्रगति, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में सुविधाएं, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, पोषण पुनर्वास केन्द्रों में कुपोषित बच्चों का उपचार, कौशल उन्नयन, आजीविका मिशन इत्यादि की विस्तृत समीक्षा की गई एवं अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री गौरीशंकर नाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एल. उईके, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता एसएल मरकाम एवं महेन्द्र कश्यप, प्रधानमंत्री सड़क योजना के कार्यपालन अभियंता मनोज रात्रे तथा संतोष ठाकुर, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बिरबल साहू, महिला एवं बाल विकास अधिकारी सी.एस. मिश्रा उपस्थित थे।

आगामी शिक्षा सत्र से स्वामी आत्मानंद स्कूलों की प्रत्येक कक्षा में 50 विद्यार्थियों को प्रवेश दें : कलेक्टर

जांजगीर चांपा। कलेक्टर श्री जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने जिले में संचालित आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की सभी कक्षाओं में आगामी शिक्षा सत्र से 40 के स्थान पर 50 बच्चों को प्रवेश देने के निर्देश दिए हैं। ज्ञातव्य है कि स्वामी आत्मानंद स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर प्रवेश हेतु पालकों की भारी मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने स्वामी आत्मानंद स्कूलों में प्रवेश हेतु सीटें बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कलेक्टर श्री जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने जिले में संचालित सभी 10 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की कक्षाओं में शिक्षा सत्र 2022 -23 में 50 विद्यार्थियों को प्रवेश

देने के निर्देश प्राचार्यों को दिए हैं। कलेक्टर ने शैक्षणिक जिला जांजगीर और सक्ती के जिला शिक्षा अधिकारी को शासन के उक्त निर्देश का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

इन स्कूलों में अब तक प्रत्येक कक्षा में 40 बच्चों को प्रवेश दिया जाता था। जिले में संचालित 10 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को देखते हुए कक्षा 01 से 12वीं में बच्चों को प्रवेश दिलाने पालकों में भारी मांग है। पालकों की मांग और उत्साह को देखते हुए प्रत्येक कक्षा में दस सीटें बढ़ाने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा शिक्षा सत्र 2022-23 में प्रत्येक कक्षा में 40 के स्थान पर 50 विद्यार्थियों को प्रवेश देने का आदेश जारी कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य के हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के रूप में अभिनव नवाचार प्रारंभ किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य के गरीब से गरीब बच्चे को भी निजी स्कूलों की तर्ज पर अच्छी सुविधाएं दिलाते हुए अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करने की सुविधा मुहैया कराना है। गरीब बच्चों को भावी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी करना,शिक्षा का समान अवसर उपलब्ध कराना और शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ावा देना इस नवाचार के पीछे राज्य सरकार का निहित उद्देश्य है।

आदिवासियों के तीर-धनुष जब्त करने पर बवाल

आदिवासी बोले- 10 दिन में नहीं लौटाया तो उग्र आंदोलन

मुंगेली। मुंगेली जिले के अचानकमार टाइगर रिजर्व में हुई तीरंदाजी प्रतियोगिता विवादों में आ गई है। वन विभाग की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता के दौरान आदिवासियों के तीर-धनुष भी सरेंडर कराए गए थे। तब इसे तीर-धनुष समर्पण अभियान नाम दिया गया था। अब बैगा आदिवासियों ने प्रतियोगिता के नाम पर गुमराह करने का आरोप लगाया है। साथ ही 10 दिन में तीर-धनुष नहीं लौटाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी है। दरअसल, एटीआर के सुरही वन परिक्षेत्र में करीब 17 दिन पहले इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें आस-पास के गांव के लोग शामिल हुए थे। धनुष-बाण समर्पण कार्यक्रम के तहत ही यहां पहले तीरंदाजी प्रतियोगिता हुई। इसमें सुरही के 5, निवासखार के 27 और राजक गांव के 15 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इसके बाद 47 प्रतिभागियों ने अपने तीर-धनुष वन विभाग को सौंप दिए। तब इसे जागरूकता का नाम दिया गया था।

इसको लेकर एटीआर संघर्ष समिति के कार्यकारिणी अध्यक्ष दिलहरण टेकाम ने कहा केवल तीरंदाजी प्रतियोगिता ही हुई है। वहां पर किसी भी प्रकार का तीर-धनुष समर्पण नहीं हुआ है। उसे जब्त

किया गया है। वन विभाग ने अपनी वाहवाही के लिए मीडिया को झूठी जानकारी दी है। इससे आदिवासियों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है और जिन लोगों से तीर-धनुष समर्पण करवाया गया है, वह किसी भी प्रकार का शिकार नहीं करते हैं। संघर्ष समिति के कार्यकारिणी अध्यक्ष दिलहरण टेकाम ने चेतावनी दी है कि 10 दिन में उनकी मांग पूरी नहीं की गई और ससम्मान तीर-धनुष नहीं लौटाए गए तो संघर्ष समिति के सदस्य और वनांचल के आदिवासी वन परिक्षेत्र रेंज ऑफिस का घेराव व अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कराएंगे। इसे लेकर समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री, वनमंत्री, मुंगेली कलेक्टर सहित विभाग के डीएफओ को लिखित में ज्ञापन भी सौंपा है।

रंगारंग कार्यक्रम कर कराया था समर्पण

एटीआर प्रशासन ने 28 मार्च को क्षेत्रीय विधायक धरमजीत सिंह को बकायदा तीरंदाजी प्रतियोगिता का मुख्यअतिथि बनाकर इस कार्यक्रम का आयोजन कराया था। इसमें विधायक के हाथों से 47 प्रतिभागियों को उनके पारंपरिक हथियार धनुष-बाण जमा करने के लिए दो-दो हजार रुपए की राशि और शाल व श्रीफल देकर सम्मानित भी कराया गया था। इस दौरान अफसरों ने कहा था कि तीर-धनुष से वन्यप्राणियों का शिकार नहीं करना है।

विवाद गहराने के बाद नेता समेत अधिकारियों नें थामी चुप्पी

क्षेत्रीय विधायक धरमजीत सिंह से उनका पक्ष जाननें के लिए संपर्क करने की कोशिश की गई, पर बात नहीं हो सकी। वहीं विवाद गहरानें के बाद इस मामले पर एटीआर प्रशासन भी चुप्पी साधे हुए है। जानकार बता रहे हैं कि एटीआर में बढ़ती शिकार की घटनाओं पर रोकथाम के लिए ये पूरी कवायद विभाग की ओर से की गई थी, लेकिन अब इस मामले में विरोध के सुर उठने के बाद मामला उलटा पड़ता दिखाई दे रहा है।

संपादकीय

भारत और अमेरिका संवाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच हुआ सीधा संवाद दोनों देशों की एक-दूसरे के लिए अहमियत बताता है। दोनों नेताओं के बीच यह वार्ता कई लिहाज से महत्त्वपूर्ण रही है। सबसे बड़ी बात यह कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भारत की तटस्थता से अमेरिका जिस तरह परेशान है, उससे यह संदेश जा रहा था कि इसे लेकर दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया है।

इस वार्ता के साथ ही, दोनों देशों के बीच विदेश और रक्षा मंत्रियों के स्तर की 'टू प्लस टू' वार्ता भी संपन्न हो गई। तीसरी बात यह कि अगले महीने क्वाड की बैठक भी होगी। हाल की वार्ता ज्यादा महत्त्वपूर्ण इसलिए भी है कि इसमें भारत ने अमेरिकी नेतृत्व को अपने रुख से एक बार फिर अवगत करा दिया। भारत ने साफ कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मसले पर वह तटस्थता की नीति पर ही चलेगा।

दरअसल, रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर अमेरिका लगातार इस कोशिश में है कि भारत तटस्थता की नीति छोड़ कर उसके साथ आ जाए। यूक्रेन के पक्ष में खड़े अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगा रखे हैं। अमेरिका अपने सहयोगी देशों पर रूस से तेल नहीं खरीदने और उसके साथ व्यापार बंद करने का दबाव भी बना रहा है। ऐसा ही दबाव उसने भारत पर भी बनाया। कुछ दिन पहले अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने दिल्ली आकर भारत को चेताया भी था कि वह अमेरिकी प्रतिबंधों को न मानने का मतलब समझे। तभी जापान के प्रधानमंत्री भी भारत आए थे।

आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने भी प्रधानमंत्री के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए शिखर बैठक की थी। अमेरिका की इन सारी कवायदों का मकसद यही था कि रूस के खिलाफ भारत उसके साथ खड़ा हो जाए। लेकिन हाल की वार्ता में भी भारत ने साफ कहा कि वह तटस्थता की नीति पर ही चलेगा। हां, यूक्रेन के बुच शहर में जो कत्लेआम हुआ, भारत उसकी निंदा करता है और इस घटना की जांच की मांग का समर्थन करता है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने रूस और यूक्रेन दोनों के राष्ट्रपति से फोन पर बातचीत में शांतिकी अपील कर चुके हैं और यह सुझाव भी रखा कि दोनों राष्ट्रपतियों को सीधी बात कर समाधान निकालना चाहिए।

भारत के रूस और अमेरिका दोनों के साथ सैन्य और कारोबारी रिश्ते हैं। रूस तो भारत का अमेरिका से भी पुराना दोस्त है। ऐसे में भारत दोनों से संतुलन बना कर चलता आया है। यही होना भी चाहिए। भारत की नीति में राष्ट्र की सुरक्षा सर्वोपरि है। ऐसे में भारत क्यों किसी के दबाव में आएगा? रूस से एस-400 मिसाइल प्रणाली खरीदने को लेकर अमेरिका का रुख हैरान करने वाला ही रहा है। भारत को जिससे ठीक लगे, उससे व्यापार करे, तेल खरीदे, हथियार सौदा करे। इसमें किसी का दबाव क्यों होना चाहिए? हालांकि सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता और न्यूक्लियर सप्लायर ग्रुप (एनएसजी) की सदस्यता के मुद्दे पर अमेरिका ने समर्थन दोहराने की बात कह कर अपनापन दिखाने की कोशिश की, जो वह पहले भी करता रहा है। मानवाधिकारों के मुद्दे पर भारत को घेरने की उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। सच तो यह है कि वैश्विक राजनीति में अमेरिका भारत की उपयोगिता समझ रहा है। इसीलिए उसने अपने चौगुटे में जापान और आस्ट्रेलिया के साथ भारत को भी रखा है। यह सही है कि दोनों देश शिक्षा, कारोबार, हथियार खरीद जैसे मामलों में एक दूसरे के सहयोगी हैं।

पाक के नये पीएम शहबाज को विरासत में चुनौतियों का अंबार मिला है

पाकिस्तान में एक ओर सत्ता के तख्ता पलट का नाटक पूरी दुनिया ने देखा। सत्ता में बने रहने के इमरान खान के सारे दांव-पेच बेकार साबित हुए। शनिवार देर रात नेशनल असेंबली में बहुमत खो देने के बाद सरकार गिर गई। फिलहाल विपक्ष जीत गया है। सत्ता की कमान अब देश के मंजे हुए राजनेता शाहबाज शरीफ के हाथों में आ गई है। वे तीन बार पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और नवाज शरीफ की गैरमौजूदगी में पार्टी की अगुआई करते रहे हैं। पाकिस्तान के इस घटनाक्रम के बाद देश के राजनेताओं में ज्यादा समझदारी आएगी या दिशाशून्य हो जायेंगे? मालूम नहीं। पक्ष एवं विपक्ष का यह सारा शोर दूसरे को दोषी ठहराने का था और चुप्पी अपने दामन के दाग छिपाने की थी।

(ललित गर्ग)

पाकिस्तान के नये प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को विरासत में चुनौतियों का अंबार मिला है यह घटनाक्रम सिर्फ किसी को सत्ता से बेदखल करने और किसी को सत्ता हासिल होने के संदर्भ में ही नहीं देखा जाना चाहिए। इसमें इमरान खान ने अपने साथ-साथ पाकिस्तान की भी खूब फजीहत करायी। वह इस तरह बेइज्जत होकर पदमुक्त होने वाले अपने देश के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं।

पाकिस्तान में एक ओर सत्ता के तख्ता पलट का नाटक पूरी दुनिया ने देखा। सत्ता में बने रहने के इमरान खान के सारे दांव-पेच बेकार साबित हुए। शनिवार देर रात नेशनल असेंबली में बहुमत खो देने के बाद सरकार गिर गई। फिलहाल विपक्ष जीत गया है। सत्ता की कमान अब देश के मंजे हुए राजनेता शाहबाज शरीफ के हाथों में आ गई है। वे तीन बार पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और नवाज शरीफ की गैरमौजूदगी में पार्टी की अगुआई करते रहे हैं। पाकिस्तान के इस घटनाक्रम के बाद देश के राजनेताओं में ज्यादा समझदारी आएगी या दिशाशून्य हो जायेंगे? मालूम नहीं। पक्ष एवं विपक्ष का यह सारा शोर दूसरे को दोषी ठहराने का था और चुप्पी अपने दामन के दाग छिपाने की थी।

यह घटनाक्रम सिर्फ किसी को सत्ता से बेदखल करने और किसी को सत्ता हासिल होने के संदर्भ में ही नहीं देखा जाना चाहिए। इसमें इमरान खान ने अपने साथ-साथ पाकिस्तान की भी खूब फजीहत करायी। वह इस तरह बेइज्जत होकर पदमुक्त होने वाले अपने देश के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं। वह चूंकि अपनी पूरी फजीहत कराकर रुखसत हुए हैं, इसलिए उन्हें आने वाले दिनों में राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ प्रशासनिक मोर्चे पर भी खूब संकटों का सामना करना पड़ेगा। उनके विदेश जाने पर एक तरह से रोक लग गई है और उन्होंने अपनी कमजोरिया, गलत नीतियों एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की उपेक्षा की वजह से अपने विरोधियों को मौका दे दिया है। दरअसल, जब आप लोकतांत्रिक और सांविधानिक संस्थाओं पर विश्वास करते हैं, तब ये संस्थाएं भी आप पर विश्वास करती हैं और

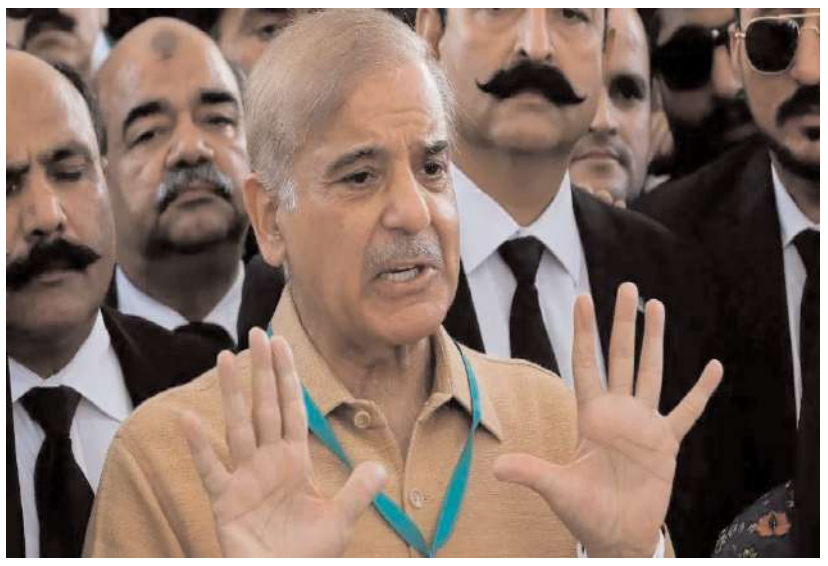

मजबूती देती हैं। लेकिन जिस तरह इमरान ने खुद को बचाने के लिए सत्ता का दुरुपयोग किया है, अदालत के आदेश के बावजूद संसद से बचने की अंतिम समय तक कोशिश की है, उससे उन्होंने खुद अपने लिए कांटे बिछा लिए हैं।

पिछले कुछ महीनों के घटनाक्रम और खासतौर से हाल के एक हफ्ते की गतिविधियां बता रही हैं कि पाकिस्तान के भीतर दरअसल चल क्या रहा है। सरकार गिराने के लिए इमरान खान और उनकी पार्टी विदेशी ताकतों पर आरोप लगा रही है। सेना ने पूरे राजनीतिक घटनाक्रम से अपने को अलग रखने की बात कही। और सबसे महत्त्वपूर्ण यह है कि विधायी तंत्र के घटनाक्रम को लेकर देश का सुप्रीम कोर्ट एक सजग प्रहरी के रूप में खड़ा रहा। वरना क्या अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान हो पाता? पाकिस्तान की राजनीति में कई नेता नेपथ्य में चले गये हैं पर आभास यही दिला रहे हैं कि हम मंच पर हैं। कई मंच पर खड़े हैं पर लगता है उन्हें कोई %%प्रोम्प्ट%% कर रहा है। बात किसी की है, कह कोई रहा है। इससे तो कठपुतली अच्छी जो अपनी तरफ से कुछ नहीं कहती। जो करवाता है, वही करती है। कठपुतली के अलावा कुछ और होने का वह दावा भी नहीं करती। लेकिन पाकिस्तान की सत्ता की स्थिति हर दौर में किसी कठपुतली से कम नहीं होती। क्योंकि कहने को वहां लोकतांत्रिक सरकारें बनती हैं, लेकिन उन पर नियंत्रण सेना एवं आतंकवादी संगठनों का ही रहता आया है। वैसे भी पाकिस्तान का इतिहास यही रहा है कि वहां सेना किसी की सगी नहीं रही। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि शहबाज भी सत्ता में तभी तक टिकेंगे, जब तक सेना चाहेगी। वैसे भी पाकिस्तान में अगले साल आम चुनाव होने हैं। शहबाज को सत्ता भले मिल गई हो, पर उनके सामने भी वही मुश्किलें और चुनौतियां हैं जो पाकिस्तान में हर प्रधानमंत्री को विरासत में मिलती रही हैं। शहबाज के सामने चुनौतियां अधिक इसलिये भी हैं कि वहां की आर्थिक स्थितियां बिखरी हुई हैं, अमेरिका का संरक्षण भी बिखर चुका है। जनता महंगाई के कारण त्राहि-त्राहि कर रही है।

कहने को पाकिस्तान में लोकतंत्र है, लेकिन लोकतांत्रिक सरकार चलाने के लिए जिस परस्पर बुनियादी विश्वास की जरूरत पड़ती है, इसका अभाव पाकिस्तान में नया नहीं है। क्या इस अविश्वास को अगले प्रधानमंत्री दूर कर पाएंगे? जिन विपक्षी दलों ने एक सरकार को बाहर का रास्ता दिखा दिया है, उन पर अब जिम्मेदारी है कि मिलकर देश को अच्छी सरकार दें, सुशासन दे, लोकतंत्र को शुद्ध सांसें दे। क्या ऐसा हो पायेगा? भावी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को बहुमत जुटाने के अलावा सेना को भी विश्वास में लेकर चलने की मजबूरी कदम-कदम पर झेलनी पड़ेगी। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था अगर चौपट न होती, तो शायद इमरान खान को ऐसे नहीं जाना पड़ता। अब शहबाज शरीफ कह रहे हैं कि पाकिस्तान के मुस्कुराने के दिन आ गए हैं, क्या वाकई ऐसा है? विडम्बना तो पाकिस्तान की हमेशा से यही रही है कि

चंडीगढ़ हो या पानी, हरियाणा ने 'बड़े भाई' से मांगा अपना हिस्सा

(संजीव)

एक नवंबर 1966 को अस्तित्व में आया हरियाणा आज भी अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहा है। विकास के मामले में हरियाणा भले ही पंजाब से काफी आगे निकल चुका हो, लेकिन अधिकारों के मामले में वह आज भी अपने 'बड़े भाई' की तरफ मुंह बाए खड़ा है। एक सप्ताह से हरियाणा व पंजाब के बीच राजधानी चंडीगढ़ को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है।

दोनों राज्यों के बंटवारे के समय यह तय किया गया था कि चंडीगढ़ में 40 फीसद कर्मचारी हरियाणा काडर तथा 60 फीसद कर्मचारी पंजाब काडर के तैनात किए जाएंगे। गृहमंत्री अमित शाह ने 27 मार्च को चंडीगढ़ दौरे के दौरान यहां केंद्रीय सेवा नियम (सेंटर सर्विस रूल) लागू करने का ऐलान किया था। चंडीगढ़ में अभी तक पंजाब के सेवा नियम लागू होते थे। एक अप्रैल को केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ में अपने सेवा नियम लागू किए और पंजाब ने इसका विरोध करते हुए राजधानी चंडीगढ़ पूरी तरह से पंजाब को सौंपने की मांग करते हुए आम आदमी पार्टी सरकार ने विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर दिया।

पंजाब के इस फैसले के विरोध में हरियाणा की राजनीति गरमाई हुई है। हरियाणा की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी तथा जननायक जनता पार्टी के अलावा विपक्षी दल कांग्रेस भी पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के विरोध में उतर आए हैं। हरियाणा में अपने पांव जमाने का प्रयास कर रही आम आदमी पार्टी को हरियाणा में इसी मुद्दे पर घेरा जा रहा है।

राजधानी चंडीगढ़ के अलावा हरियाणा के पंजाब के साथ कई मुद्दे पर विवाद 50 वर्षों से चले आ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद हरियाणा को आजतक एसवाइएल का पानी नहीं मिला है। इस बीच कई मौके ऐसे भी आए जब केंद्र व राज्यों में एक ही पार्टी की सरकार भी बनी लेकिन सुप्रीम कोर्ट में ठोस पैरवी के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के हक में फैसला सुनाया।

पंजाब ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के अपर बेंच पर समीक्षा याचिका दायर कर दी। जिस पर आज भी सुनवाई जारी है। हरियाणा को चंडीगढ़ में स्थित विधानसभा में भी अपनी पूरी हिस्सेदारी आजतक नहीं मिल सकी है। 1966 में बंटवारे के समय 60-40 का अनुपात तय किया गया था लेकिन आजतक हरियाणा को इस भवन में 40 फीसद हिस्सेदारी नहीं मिल सकी है। विधान भवन में शुरू में हरियाणा को 37 फीसद स्थान आबंटित हुआ। जब कब्जा देने की बारी आई तो पंजाब के तत्कालीन अधिकारियों ने 27 फीसद क्षेत्र ही हरियाणा को दिया। अपने हिस्से का 10 फीसद क्षेत्र लेने के लिए हरियाणा आज भी जद्दोजहद कर रहा है।

हरियाणा विधानसभा के स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता इस हिस्से को हासिल करने के लिए न केवल पंजाब बल्कि गृह मंत्रालय के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं। कई वर्षों के पत्राचार के बावजूद पंजाब ने जब कोई समाधान नहीं किया तो हरियाणा ने नया विधान भवन बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

हरियाणा का पंजाब के साथ अलग हाईकोर्ट को लेकर भी विवाद चल रहा है। । पंजाब के साथ दोबारा शुरू हुए विवाद को लेकर हरियाणा के विपक्षी दल कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुआई में सोमवार को एक बैठक करके यह मांग उठाई कि हरियाणा सरकार विधानसभा में प्रस्ताव पारित करते हुए केंद्र पर दबाव बनाए कि राजधानी चंडीगढ़ से पहले हरियाणा को पंजाब से एसवाइएल का पानी दिलवाया जाए, और राजधानी चंडीगढ़ के मुद्दे पर प्रस्ताव पारित किया जाए।

मनोहर लाल की दलील

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने साफ किया है कि पंजाब, हरियाणा का बड़ा भाई है। बड़े भाई का सम्मान तभी तक होता है जब वह छोटे भाई के हितों की रक्षा करे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के अनुसार जिस एक विषय को लेकर दो राज्यों में विवाद हो तो उसे लेकर एकतरफा प्रस्ताव पारित करने का कोई औचित्य नहीं है। मनोहर लाल ने साफ किया पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार हरियाणा का पानी रोक रही है और दिल्ली में यही सरकार हरियाणा से अपने हिस्से का पानी मांग रही है। हमारा पानी रोकेंगे तो हम दिल्ली को पानी कैसे दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि चंडीगढ़ से पहले उन हिंदी भाषी गांवों को हरियाणा के अधीन किया जाए, जिनका बंटवारे के समझौते में जिक्र किया गया था। मनोहर लाल ने साफ कर दिया है कि हरियाणा सरकार प्रदेश वासियों के हितों की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी। महज एक माह के कार्यकाल में तथ्यों को जाने बगैर प्रस्ताव पारित करने वाली पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार के फैसले को हरियाणा सिरे से खारिज करता है।

द्विपक्षीय रिश्ते पर जो हल्की धुंध है वह अब छंट सकेगी

(विष्णु प्रकाश, पूर्व राजनयिक)

रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की वर्चुअल मुलाकात द्विपक्षीय रिश्तों को नई ऊंचाई देती दिखी। बैठक के बाद एक वरिष्ठ अमेरिकी प्रशासनिक अधिकारी ने कहा भी कि रूस-यूक्रेन जंग के संदर्भ में अपने फैसले भारत खुद लेगा, लेकिन हम उसके साथ बातचीत करते रहेंगे। इन शब्दों का कूटनीतिक अर्थ यही है कि भारत ने जो पक्ष लिया है, वह बेशक अमेरिका को नागवार गुजरा है, लेकिन वह भारत को मनाता रहेगा। इसके अलावा, उनका यह भी कहना था कि भारत निश्चय ही अपने रुख पर कायम रहे, लेकिन यूक्रेन में मानवीय मदद देने में उसने मदद की है और बूचा नरसंहार की भी उसने आलोचना की है, इसलिए नई दिल्ली का रुख कहीं ज्यादा स्पष्ट जान पड़ता है। रही बात तेल की, तो भारत भले ही रूस से तेल मंगाता रहे, लेकिन उसकी मात्रा न बढ़ाए।

इन सबसे समझा जा सकता है कि अमेरिका के लहजे में नरमी आई है, और वह यदि हमारा पक्ष नहीं ले रहा, तो कम से कम उसे स्वीकार जरूर रहा है। यह तभी होता है, जब आपस में वार्ताएं होती हैं। पहले शासनाध्यक्षों की बैठक, फिर 'टू प्लस टू टॉक'। ये बताती हैं कि दोनों देश एक-दूसरे को समझने की कोशिश कर रहे हैं। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? दरअसल, अमेरिका के साथ पिछले दो दशकों से हमारे रिश्तों में गरमाहट आई है। इसकी बुनियाद 2000 में रखी गई थी, जब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भारत आए थे। उसके बाद से द्विपक्षीय संबंध मजबूत होता गया, और आज 50 के करीब ऐसे मंच हैं, जिनके माध्यम से हम शिक्षा, तकनीक, विज्ञान, नवाचार, सुरक्षा, साइबर जैसे तमाम विषयों पर गंभीर और महत्वपूर्ण बातचीत करते हैं।

इस मजबूती के दो कारण हैं- पहला, भारत ऐसा विकासशील देश है, जो अगले दसेक वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

अगर सब कुछ ठीक रहा, तो अगले पांच दशकों में भारत विकसित मुल्कों में भी शुमार हो सकता है। अमेरिका यहां के बाजार में अपने हित देख रहा है, यानी भारत उसके विकास का पहिया बन सकता है। दूसरा कारण यह है कि एशिया में चीन जैसी ताकत है, जो मौजूदा वैश्विक व क्षेत्रीय व्यवस्था को लगातार चुनौती देती रही है। यह ताकत फिलहाल तमाम देशों पर भारी है, इसलिए यह समझ बनी है कि कोई अकेला देश चीन को संभाल नहीं सकता, लिहाजा सभी लोकतांत्रिक देश एकजुट हो जाएं और उसके ऊपर दबाव बनाएं। जाहिर है, भारत ऐसा लोकतंत्र है, जो चीन से शत्रुता नहीं चाहता, पर वह यह भी नहीं चाहता कि वह बाकी देशों पर हावी हो। नतीजतन, बाहरी चुनौतियों से निपटने के लिए भी अमेरिका को भारत की दरकार है। क्वाड (भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान का समूह) इसकी तस्दीक करता है, जो न सिर्फ मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र का हिमायती है, बल्कि सबके हित साधने वाली वैश्विक व्यवस्था बनाना चाहता है।

हाथ खड़े करने को मजबूर श्रीलंका

(आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार)

नए साल पर बुरी खबर! श्रीलंका के लोग बुधवार और गुरुवार को नया साल मना रहे हैं। आज सिंहली और गुरुवार को तमिल नववर्ष मनाया,लेकिन कल ही यह बुरी खबर आई कि देश की आर्थिक स्थिति कंगाली के कगार पर पहुंच चुकी है। बाकायदा सरकारी एलान हुआ है।

कई हफ्ते से चल रही कशमकश के बाद आखिरकार श्रीलंका सरकार ने एलान कर दिया है कि वह लगभग 51 अरब डॉलर के अपने विदेशी कर्ज का भुगतान करने या उसका ब्याज चुकाने की स्थिति में नहीं है। मतलब उसने लेनदारों को बता दिया है कि फिलहाल श्रीलंका ब्याज की किस्तों का भुगतान नहीं करेगा। श्रीलंकाई वित्त मंत्रालय ने एक बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि उनके पास आयात के लिए विदेशी मुद्रा नहीं बची है, इसलिए यह आखिरी कदम उठाना पड़ा है। सवाल है कि श्रीलंका के कर्ज न लौटाने का मतलब क्या है

हम सभी ने कभी न कभी देखा होगा। खुद न देखा हो, तो फिल्मों या टीवी धारावाहिकों के ऐसे नजारें याद करें। कभी लेनदार भला इंसान होता है, तो कभी कपड़े उतारने या सामान फेंकने तक की नौबत आ जाती है। पुरानी फिल्मों में वसूली करने वाले पठान और आजकल रिकवरी एजेंट यही काम करते हैं। कोई आम ग्राहक हो या बड़ी कंपनियां, कर्ज देते समय यह जरूर देखा जाता है कि वे इसे चुकाने की हैसियत रखती हैं या नहीं? और यह कर्ज वापस न आने का खतरा कितना बड़ा है? इससे तय होता है कि उस पर कितना ब्याज वसूला जा सकता है। ज्यादा जोखिम यानी ज्यादा ब्याज। यह गणित पूरी दुनिया में इसी तरह चलता है।

लेकिन दुनिया भर में एक बिरादरी ऐसी है, जिसे कर्ज देना बेहद सुरक्षित माना जाता है। यह बिरादरी है, अलग-अलग देशों की सरकारों की। इनसे कर्ज वापस मिलने की गारंटी मानी जाती है। इनकी संप्रभुता का ही असर है कि इन्हें दिए जाने वाले कर्ज 'सॉवरेन लोन' या इनकी गारंटी को

कहा है कि लेनदार चाहें, तो श्रीलंकाई रुपये में भुगतान ले सकते हैं या फिर वे ब्याज की रकम को नाकाम रही हैं। आम तौर पर दुनिया में जब कोई बड़ा आर्थिक संकट आता है, तब ऐसे मामले बढ़ते हैं।

आज भी श्रीलंका अकेला नहीं है। हालांकि, दोनों का आपस में कोई रिश्ता नहीं, लेकिन इस वक्त देशों ने उसे अंतरराष्ट्रीय भुगतान नेटवर्क से काट दिया है। उसके सामने भी यह खतरा खड़ा हो गया है कि वह अपने लेनदारों की किस्त चुकाने की हालत में नहीं है। कह सकते हैं कि रूस ने यह मुसीबत खुद मोल ली है। मगर श्रीलंका की परिस्थिति अलग है। कुछ ही साल पहले भारत में उदाहरण दिए जाते थे कि श्रीलंका व बांग्लादेश किस तेजी से तरक्की कर रहे हैं। खासकर वस्त्र निर्यात के मामले में। श्रीलंका का पर्यटन कारोबार भी खूब फल-फूल रहा था, लेकिन कोरोना ने इस सब पर पानी फेर दिया और उसके बाद सरकार व कारोबार की बाकी कमजोरियां भी सामने आने लगीं।

हालात इतनी तेजी से बिगड़े, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। पिछले साल अगस्त में श्रीलंका ने अचानक 'फूड इमर्जेंसी' की घोषणा कर दी। यह एक तरह से आर्थिक आपातकाल का एलान ही था। खाने-पीने की चीजों के दाम आसमान छूने लगे थे और पेट्रोल-डीजल के लिए लंबी लाइनें लग चुकी थीं। विदेशी निवेशकों ने बाजार से पैसे

एरोबिक व्यायाम के साथ अपने दिल को स्वस्थ रखें

इस साल भी लोग अपने घरों में बंद रहने के कारण, वर्कआउट रूटीन को आगे बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं। एरोबिक व्यायाम न केवल मजबूत हड्डियों के निर्माण, मांसपेशियों की ताकत, धीरज और लचीलेपन में सुधार करने के लिए फायदेमंद होते हैं, बल्कि हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, मधुमेह और कुछ कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए भी फायदेमंद होते हैं। शोध से पता चलता है कि यह केवल छह महीनों में आपकी सोच और याददाश्त में सुधार कर सकता है। ऑथोर्पेडिक स्पोर्ट्स सर्जन वोंडा राइट, एमडी, एफएओओएस कहते हैं '' चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना, तैराकी और क्रॉस कंट्री कुछ लोकप्रिय एरोबिक गतिविधियां हैं। अपने एरोबिक व्यायाम से अधिक लाभ उठाने के लिए, लचीलापन और ताकत प्रशिक्षण अभ्यास को अपनी फिटनेस दिनचर्या में शामिल किया जाना चाहिए।'' '' अपने कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम को मजबूत करने के लिए, हर बार जब आप व्यायाम करते हैं तो अपनी लक्षित हृदय गति पर अपनी हृदय गति को 20 से 60 मिनट तक बढ़ाना महत्वपूर्ण है। अपने लक्षित हृदय गति पर व्यायाम करना सुनिश्चित करता है कि आपका शरीर लाभ प्राप्त करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा का प्रयोग कर रहा है। यह सटीक रूप से ट्रैक करने के लिए कि आपका शरीर कितनी मेहनत कर रहा है, अपनी लक्षित हृदय गति की गणना करें और प्रति मिनट धड़कन को ट्रैक करें। आपके लक्षित हृदय गति को निर्धारित करने के लिए एक सामान्य गणना आपकी आयु से 220 मिनियुस है।'' डॉ राइट कहते हैं कि व्यायाम का एफआईटीटी सिद्धांत एरोबिक गतिविधि के लिए पालन करने के लिए एक प्रभावी दिशानिर्देश है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑथोर्पेडिक सर्जन एरोबिक गतिविधि में भाग लेने के दौरान चोट को खत्म करने के लिए इन सुरक्षा युक्तियों का सुझाव देते हैं। अपने डॉक्टर ने सलाह दी कि यदि आपकी मौजूद स्थिति, अधिक वजन वाले हैं, धूम्रपान करने वाले हैं या कुछ समय से सक्रिय नहीं हैं, तो एक नया व्यायाम दिनचर्या शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक से परामर्श करें। वहीं हाइड्रेट और निर्जलीकरण के हल्के स्तर भी एथलेटिक प्रदर्शन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यदि आपके पास पर्याप्त तरल पदार्थ नहीं हैं, तो आपका शरीर पसीने और वाष्पीकरण के माध्यम से खुद को प्रभावी ढंग से ठंडा नहीं कर पाएगा।

चौथी लहर के लिए कोरोना वायरस की पूरी फौज तैयार

कोरोना की दूसरी लहर में घातक बनकर उभरा डेल्टा वेरिएंट बेशक शांत हो गया है लेकिन पिछले कुछ महीनों में कोरोना के कई घातक वेरिएंट देखने को मिले। चौथी लहर के लिए कोरोना के वेरिएंट की लिस्ट लंबी है और इनमें से कुछ वेरिएंट पहले ही कई देशों में तबाही मचा रहे हैं।

कोरोना वायरस महामारी का अंत अभी नहीं हुआ है। यूरोप और एशिया के कई देशों में कोरोना की चौथी लहर ने तबाही मचा रखी है। बताया जा रहा है कि इस बार कोरोना अपने कई वेरिएंट्स के साथ तेजी से प्रसारित हो रहा है। यही वजह है कि चीन, यूके और साउथ कोरिया में नए मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

कोरोना की दूसरी लहर में घातक बनकर उभरा डेल्टा वेरिएंट बेशक शांत हो गया है लेकिन पिछले कुछ महीनों में कोरोना के कई घातक वेरिएंट देखने को मिले। इनमें एक है ओमीक्रोन, जो कोरोना की तीसरी लहर का प्रमुख कारण बना। बेशक यह गंभीर नहीं था लेकिन इसे सबसे तेजी से फैलने वाला वेरिएंट माना गया था। जिन देशों में कोरोना की चौथी लहर में आई है, वहां ओमीक्रोन सबवेरिएंट बीए2 के सबसे अधिक मामले पाए गए हैं। यानी बीए2 को सीधे रूप से चौथी लहर का कारण माना जा रहा है। मामला यहीं शांत नहीं होता है। पिछले महीनों में बीए2 के अलावा कोरोना के कई वेरिएंट्स मिले हैं, जो काफी घातक और तेजी से प्रसारित होने वाले हैं। अंदाजा लगाया जा रहा कि यह वेरिएंट्स चौथी लहर का कारण बन सकते हैं।

कोविड वेरिएंट्स

ओमीक्रोन बीए.1
दरअसल ओमीक्रोन को ही बीए.1 वेरिएंट कहा जाता है। यह वेरिएंट कोरोना वायरस की तीसरी लहर का मुख्य कारण रहा था। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने इसे वेरिएंट ऑफ कंसर्न नहीं माना था क्योंकि इसके लक्षण हल्के थे।

ओमीक्रोन बीए2
वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार, बीए2 वेरिएंट मूल ओमीक्रोन का सबवेरिएंट है, जो फिलहाल कई देशों में कोरोना की चौथी लहर का मुख्य कारण बना हुआ है। डब्ल्यूएचओ ने इसे मूल ओमीक्रोन की तुलना में ज्यादा तेजी से प्रसारित होने वाला बताया है।

ओमीक्रोन बीए3
डब्ल्यूएचओ के अनुसार, बीए.1 और बीए2 के अलावा बीए3 वेरिएंट भी है। जर्नल ऑफ मेडिकल वायरोलॉजी में 18 जनवरी, 2022 को प्रकाशित एक शोध अध्ययन ने भी बीए3 उप वंश की उपस्थिति की पुष्टि की है। यह ओमीक्रोन परिवार का कम प्रचलित वंश है और इसके मामले भी बहुत कम हैं।

ओमीक्रोन बीए4
डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि वो ओमीक्रोन के दो सबवेरिएंट बीए4 और बीए5 के ऊपर शोध कर रहा है और यह पता लगा रहा है कि क्या यह वेरिएंट्स अधिक संक्रामक या खतरनाक हैं। संगठन ने यह भी माना है कि इन वेरिएंट्स के बहुत कम मामले मिले हैं। माना जा रहा है कि बीए.1 और बीए3 के मिलने से बीए4 बना है।

ओमीक्रोन बीए5
यह वेरिएंट ओमीक्रोन परिवार का है और डब्ल्यूएचओ इस पर नजर बनाए रखे हुए है। इस वेरिएंट के मामले अभी बहुत कम हैं। बताया जा रहा है कि इस वेरिएंट के सभी मामले साउथ अफ्रीका में मिले हैं और मरीजों में इसके लक्षण हल्के हैं।
डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में एक्सई वेरिएंट की चेतावनी दी है। यूके हेल्थ सिक्यूरिटी एजेंसी के अनुसार, यह वेरिएंट ओमीक्रोन के सबवेरिएंट बीए1.और बीए2 के जुड़ने से तैयार हुआ है। यह बीए2 की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत अधिक तेजी से फैलने वाला है। इसका मतलब है कि यह कोरोना का अब तक सबसे तेजी से फैलने वाला वायरस है।

एक्सडी और एक्सएफ
ऐसा माना जा रहा है कि यह दोनों वेरिएंट कोविड के दो घातक वेरिएंट डेल्टा और ओमीक्रोन बीए.1 के मिलने से तैयार हुए हैं। एक्सडी का फ्रांस, डेनमार्क और बेल्जियम में पता चला है जबकि एक्सएफ ब्रिटेन में पाया गया है। फिलहाल इनके ज्यादा मामले नहीं पाए गए हैं।

कोलेस्ट्रॉल की जड़ हैं खाने की ये 5 पीली चीजें

खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक बढ़ने से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। रोजाना खाई जाने वाली कुछ चीजें शरीर में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करती हैं जबकि कुछ चीजें बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देती हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल एक गंभीर समस्या बन गया है, जिससे अधितर लोग परेशान रहते हैं। कोलेस्ट्रॉल खून में पाया जाने वाला फैट है, जो हार्मोन के उत्पादन और झिल्ली के कामकाज के लिए आवश्यक है। कोलेस्ट्रॉल दो तरह का होता है अच्छा और खराब। यह अच्छा कोलेस्ट्रॉल है, जो शरीर के लिए जरूरी है लेकिन खराब कोलेस्ट्रॉल शरीर को नुकसान ही करेगा। जब अच्छे कोलेस्ट्रॉल की बात आती है, तो शरीर इसे खाने-पीने की अच्छी चीजों की मदद से बनाता है। लेकिन जब खराब कोलेस्ट्रॉल की बात आती है, तो खाने-पीने की कुछ गलत आदतें इसके लिए जिम्मेदार होती हैं। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से क्या होता है? आपको यह बात होनी चाहिए कि खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक बढ़ने से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। कोलेस्ट्रॉल से बचने के उपायों की बात करें, तो रोजाना खाई जाने वाली कुछ चीजें शरीर में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करती हैं जबकि कुछ चीजें बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देती हैं। आज हम आपको कुछ कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाली पीले रंग की चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनका आपको कम सेवन करना चाहिए या फिर नहीं करना चाहिए।

डीप फ्राइड फूड
आजकल बहुत से लोग डीप फ्राई फूड खाना पसंद करते हैं। अक्सर देखा गया है कि लोग चिकन, समोसा, कचौरी, आलो टिक्की जैसी डीप फ्राई चीजों का खूब सेवन किया जाता है। जाहिर है इन चीजों में तेल का अधिक इस्तेमाल किया जाता है जिस वजह से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने का जोखिम अधिक रहता है।

घी और मक्खन
घी या मक्खन के बिना भारतीय खाना अधूरा है। मक्खन, देसी घी, पनीर, पाम ऑयल और नारियल के तेल जैसी चीजों में सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक होती है और इनका सेवन कम किया जाना चाहिए। खाना पकाने के लिए जैतून का तेल, चावल की भूसी का तेल, मूंगफली का तेल, सूरजमुखी का तेल और अन्य वनस्पति तेल का उपयोग करें।

जलेबी जैसी मिठाई
भारतीय मिठाइयों में चीनी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। जलेबी, छेना मिठाई, गुलाब जामुन और कई अन्य गहरी तली हुई मिठाइयों में तेल और चीनी का सबसे ज्यादा उपयोग होता है। जाहिर है यह दोनों चीजें कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का काम करती हैं।

अंडे की जर्दी
अंडे की जर्दी में किसी भी भोजन का सबसे अधिक कोलेस्ट्रॉल 1234 एमजी प्रति 100 ग्राम या दैनिक मूल्य का 411% होता है। एक अंडे की जर्दी 210 एमजी कोलेस्ट्रॉल प्रदान करेगी, जबकि पूरा अंडे केवल 212 एमजी प्रदान करता है। इस प्रकार अंडे में सबसे ज्यादा कोलेस्ट्रॉल जर्दी में पाया जाता है।

फास्ट फूड
फास्ट फूड, कोलेस्ट्रॉल से भरे होते हैं। पिज्जा, बर्गर और फ्रेंच फ्राई जैसी चीजों में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक होती है। इन चीजों को बनाने के लिए तेल, मक्खन, और चीज जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता हिया जिसमें कोलेस्ट्रॉल अधिक पाया जाता है।

शंख बजाने से मजबूत होंगे फेफड़े

शंख भी अपने आप में बहुत काम की चीज है। शंखनाद से जहां आपके आसपास की नकारात्मक ऊर्जा का नाश तथा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वहीं शंख से निकलने वाली ध्वनि जहां तक जाती है वहां तक बीमारियों के कीटाणुओं का नाश हो जाता है।

आयुर्वेद और विज्ञान की माने तो शंखनाद से सकारात्मक ऊर्जा का सर्जन होता है जिससे आत्मबल में वृद्धि होती है। शंख में प्राकृतिक कैल्शियम, गंधक और फास्फोरस की भरपूर मात्रा होती है। शंख से मुख के तमाम रोगों का नाश होता है। ऑक्सीजन लेवल को बढ़ाने के लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज और प्रोन पोजिशन को एक बेहतर विकल्प माना जा रहा है तो वहीं अगर आप फेफड़ों को तंदुरुस्त रखना चाहते हैं तो शंख बजाना आपके लिए आसान तरीका हो सकता है।

- यदि आप पूजा स्थान पर रखे शंख को पूजा के अलावा अपने आप को स्वस्थ रखने हेतु प्राणायाम के साथ इस्तेमाल करते हैं तो आप दीर्घायु रह सकते हैं।
- शंख बजाने से हृदयाघात, रक्तचाप की अनियमितता, दमा, मंदाग्नि, शुगर, पेट संबंधित में लाभ होता है।
- शंख बजाने से फेफड़े पुष्ट होते हैं। प्रतिदिन शंख फूंकने वाले को गले और फेफड़ों के रोग नहीं होते।
- शंख में पानी रखकर पीने से मनोरोगी को लाभ होता है, उत्तेजना कम होती है।
- शंख की ध्वनि से दिमाग व स्नायु तंत्र सक्रिय रहता है।
- शंख बजाने से योग की 3 क्रियाएं एकसाथ होती हैं- कुंभक, रेचक, प्राणायाम।
- शंख की ध्वनि से नकारात्मक शक्तियां भी दूर होती हैं।
- शंख वादन से स्मरण शक्ति बढ़ती है।
- शंख बजाने से चेहरे, श्वसन तंत्र, श्रवण तंत्र तथा फेफड़ों का व्यायाम होता है।
- अगर आपको खांसी, दमा, पीलिया, ब्लडप्रेशर या दिल से संबंधित मामूली से लेकर गंभीर बीमारी है तो इससे छुटकारा पाने का एक सरल-सा उपाय है। शंख बजाइए और रोगों से छुटकारा पाइए।

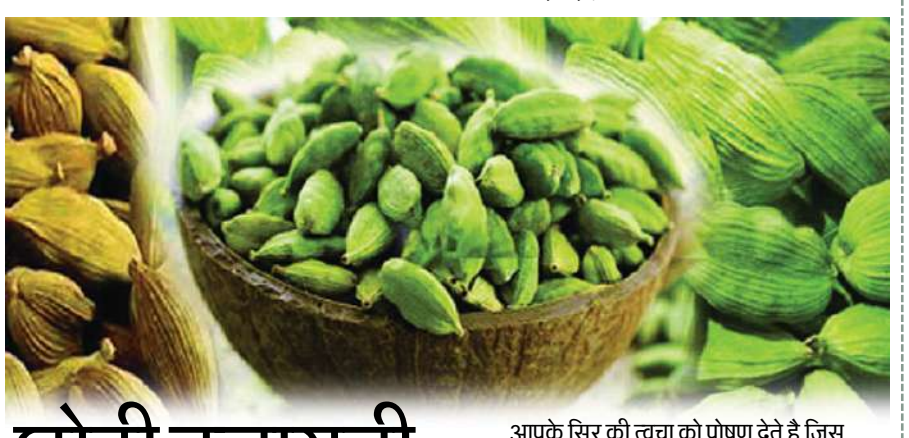

छोटी इलायची और बड़ी इलायची के बड़े फायदे

आमतौर पर अधिकतर घरों में इलायची का सेवन मुखशुद्धि के लिए अथवा मसाले के रूप में किया जाता है। यह दो प्रकार की आती है- हरी या छोटी इलायची तथा बड़ी इलायची। जहां बड़ी इलायची व्यंजनों को लजीज बनाने के लिए एक मसाले के रूप में प्रयुक्त होती है, वहीं हरी इलायची मिठाइयों की खुशबू बढ़ाती है। मेहमानों की आव भगत में भी इलायची का इस्तेमाल होता है। लेकिन इसकी महत्ता केवल यहीं तक सीमित नहीं है। यह औषधीय गुणों की खान है। आइए, जानें इनके औषधीय गुणों को। छोटी इलायची और बड़ी इलायची से होने वाले फायदों के बारे में

- खराश : यदि आवाज बैठी हुई है या गले में खराश है, तो सुबह उठते समय और रात को सोते समय छोटी इलायची चबा-चबाकर खाएं तथा गुनगुना पानी पीएं।
- सूजन : यदि गले में सूजन आ गई हो, तो मूली के पानी में छोटी इलायची पीसकर सेवन करने से लाभ होता है।
- खांसी : सर्दी-खांसी और छींक होने पर एक छोटी इलायची, एक टुकड़ा अदरक, लौंग तथा पांच तुलसी के पत्ते एक साथ पान में रखकर खाएं।
- उल्टियां : बड़ी इलायची पांच ग्राम लेकर आधा लीटर पानी में उबाल लें। जब पानी एक-चौथाई रह जाए, तो उतार लें। यह पानी उल्टियां रोकने में कारगर सिद्ध होता है।
- बदहजमी : यदि केले अधिक मात्रा में खा लिए हों, तो तत्काल एक इलायची खा लें। केले पच जाएंगे और आपको हल्कापन महसूस होगा।
- जी मिचलाना : बहुतों को यात्रा के दौरान बस में बैठने पर चक्कर आते हैं या जी घबराता है। इससे निजात पाने के लिए एक छोटी इलायची मुंह में रख लें।
- छाले : मुंह में छाले हो जाने पर बड़ी इलायची को महीन पीसकर उसमें पिसी हुई मिश्री मिलाकर जुबान पर रखें, तुरंत लाभ होगा।
- बड़ी इलायची की चाय : सर्दियों के मौसम में खांसी-जुकाम हो जाने पर बड़ी इलायची की चाय या इसका काढ़ा बनाकर पीने से ठंड से राहत मिलती है।
- कैफीन और विषैले पदार्थ : बड़ी इलायची शरीर में जाकर एक डिटॉक्सीफायर का काम करती है। ये आपके शरीर से कैफीन और विषैले पदार्थों को बाहर निकाल फेकती है। इसका प्रभाव आपके चेहरे पर भी दिखता है और त्वचा में निखार आ जाता है।
- कैंसर : बड़ी इलायची में इस तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो कि कैंसर के मरीज को फायदा पहुंचाते है।
- मजबूत बाल : इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेटिव आपके सिर की त्वचा को पोषण देते है जिस वजह से बाल मजबूत होने लगते है।
- तनाव व घबराहट : यदि किसी को जल्द ही थकान, तनाव व घबराहट होती है, तो बड़ी इलायची को पीस कर, शहद में मिलाकर लेने से फायदा होगा।
- सिर दर्द : सिर दर्द होने पर भी बड़ी इलायची का सेवन लाभदायक होता है।
- दांत का दर्द : बड़ी इलायची और लौंग तेल को बराबर-बराबर मात्रा में लें। इसे दांतों पर मलने से दांत का दर्द ठीक होता है।
- बड़ी इलायची का काढ़ा : 4-5 बड़ी इलायची के फल को 400 मिली पानी में उबाल लें। इस काढ़ा से कुल्ला करने से दांत दर्द ठीक होता है।
- मुंह के सूजन : 2-3 बड़ी इलायची के छिलकों को पीसकर खाने से दांत की बीमारियों तथा मुंह के सूजन में लाभ होता है।
- अधिक थूक बनना : यदि मुंह में अधिक थूक आता हो या लार बहती हो तो बड़ी इलायची और सुपारी को बराबर-बराबर पीसकर मिला लें। इसे 1-2 ग्राम मात्रा में लेकर चूसते रहने से थूक कम बनता है और लार का बहना बंद हो जाता है।
- सांसों के रोग : 5-10 बूंद बड़ी इलायची तेल में मिश्री मिलाकर नियमित सेवन करने से सांसों के रोग में लाभ होता है।
- भूख ना लगना : एक ग्राम बड़ी इलायची बीज चूर्ण में 4 ग्राम मिश्री मिलाकर 1 ग्राम सुबह और शाम सेवन करने से गर्भवती स्त्री को भूख ना लगने की परेशानी में लाभ होता है।
- मुंह से दुर्गंध : अगर आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो बड़ी इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। इसके अलावा मुंह के घावों को ठीक करने के लिए भी बड़ी इलायची को इस्तेमाल में लाया जा सकता है।

साइकल चलाते समय न करें ये गलतियां

अधिकतर लोग खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चलाना पसंद कर रहे है और फिटनेस के लिए इसे अपनी रूटीन में शामिल कर रहे है। वैसे भी फिट और एक्टिव रहने के लिए साइकिल चलाना बेस्ट माना जाता है। यदि नियमित रूप से साइकिल चलाई जाएं तो इससे बॉडी की पूरी एक्सरसाइज होती है। और टोन्ड और परफेक्ट फिगर पा सकते है। लेकिन साइकिल चलाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वरना सेहत से जुड़ी अन्य समस्या हो सकती हैं।

- कुछ लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार पानी पीते है, ये बिलकुल अच्छी बात है लेकिन साइकिल चलाते समय अधिक मात्रा में पानी नहीं पीना चाहिए। क्योंकि साइकिल चलाते वक्त अधिक मात्रा में पानी पीया जाएं तो इससे मतली की समस्या होने लगती है। वहीं ज्यादा पानी पीने से बार-बार पेशाब आएगी। जिससे पेट में दर्द हो सकता है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त पानी न पीएं।
- साइकिल चलाना फिट रहने के लिए एक बेस्ट विकल्प है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त फास्ट फूड या फिर जंक फूड से दूरी रखना ही बेहतर होता है, क्योंकि अनहेल्दी खाने से शरीर में फेट बढ़ता है। इससे आप सुस्त महसूस करेंगे।
- साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। वैसे आमतौर पर वर्कआउट से पहले स्टेचिंग की सलाह दी जाती है। लेकिन साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती है और उनमें खिंचाव आ सकता है। यदि आप स्टेचिंग करना चाहते है तो कम से कम आधे घंटे पहले करें।
- कई बार ऐसा होता है कि हम साइकिल राइड को मजेदार बनाने के लिए स्टंट करना शुरू कर देते हैं। इससे एक्सीडेंट होने की संभावना अधिक रहती है।

मैं राम को नहीं मानता वो भगवान नही : मांझी

राम सिर्फ रामायण के पात्र; उन्होंने शबरी का झूठा खाया, हमारे यहां कोई खाकर दिखाए

बिहार

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने एक बार फिर भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाए हैं। जमुई में गुरुवार को अंबेडकर जयंती के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि राम भगवान थोड़े ही थे, वह तो तुलसीदास और वाल्मीकि रामायण के पात्र थे। रामायण में बहुत सी अच्छी बातें लिखी हैं, इसलिए हम उसे मानते हैं, पर राम को नहीं जानते।

नाम में हैं राम पर मानते नहीं भगवान!

अनुसूचित जाति के लोगों को पूजा करना बंद कर देनी चाहिए। जो ब्राह्मण मांस खाते और शराब पीते हैं उनसे दूर रहना चाहिए।।

जीतन राम मांझी, पूर्व CM

अनुसूचित जाति के लोगों को पूजा नहीं करनी चाहिए

मांझी यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि पूजा-पाठ करने से कोई बड़ा नहीं होता है। अनुसूचित जाति के लोगों को पूजा-पाठ करना बंद कर देना चाहिए। जो ब्राह्मण मांस खाते हैं और शराब पीते हैं, झूठ बोलते हैं, उनसे दूर रहना चाहिए। उनसे पूजा-पाठ नहीं कराना चाहिए। शबरी के जूठे बेर को राम ने खाया था, आज हम लोगों के यहां कोई खाना खाकर दिखाए। सवर्ण और उच्च जाति के लोग भारत के मूल निवासी नहीं हैं, वह बाहरी हैं।

राम पर अक्सर विवादित बयान देते रहते हैं मांझी

हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) सुप्रीमो मांझी का भगवान राम, हिन्दू धर्म और ब्राह्मणों पर दिए बयानों का मामला नया नहीं है। वो पहले भी कई बार ये बातें कर चुके हैं। बीते साल दिसंबर महीने में ही उनके ऐसे ही एक बयान के बाद बड़ा हंगामा हुआ था। बाद में उन्होंने पटना में ब्राह्मण भोज का कार्यक्रम रखा था। शर्त थी कि वही ब्राह्मण खाएंगे, जिन्होंने कभी कोई पाप न किया हो। मांझी के इन बयानों को NDA गठबंधन में सहजता से नहीं लिया गया था। भाजपा समेत घटक दलों ने इशारों में ही उन्हें नसीहत दी थी।

जेएनयू में लगे भगवा झंडे, पुलिस ने हटाए

हिंदू सेना ने भगवा जेएनयू के पोस्टर लगाए, रामनवमी पर वामपंथियों से हुआ था एबीवीपी का विवाद

नई दिल्ली

शुक्रवार सुबह दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय कैंपस के बाहर भगवा झंडे और भगवा जेएनयू के पोस्टर लगे मिले। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में झंडे उतरवा दिए। पुलिस का कहना है कि झंडे लगाने वालों की तलाश की जा रही है। ये झंडे और पोस्टर जेएनयू के बाहर वाले रोड और मुख्य गेट के पास हिंदू सेना ने लगाए थे। भगवा जेएनयू वाले पोस्टर पर संगठन का नाम भी लिखा है। रविवार को रामनवमी के दिन वामपंथी छात्र संगठन और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों के बीच हिंसा हुई थी। इसमें कई छात्र घायल हुए थे। माना जा रहा है कि इसी हिंसा के जवाब में जेएनयू के बाहर पोस्टर और झंडे लगाए गए हैं।

जेएनयू में भगवा का अपमान हो रहा: यादव

हिंदू सेना के उपाध्यक्ष सुरजीत यादव ने कहा है कि जेएनयू में विरोधियों द्वारा लगातार भगवा का अपमान किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि ये लोग सुधर जाएं, भगवा का अपना करने की कोशिश मत करें। हम सबका सम्मान करते हैं, प्रत्येक धर्म और विचार का सम्मान करते हैं, लेकिन जिस तरह से भगवा रंग का अपमान किया जा रहा है, उसे हिंदू सेना बर्दाश्त नहीं करेगी।

माहौल बिगाड़ने वालों पर कार्रवाई करेंगे : DSP

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के DSP ने कहा कि आज सुबह पता चला है कि जेएनयू के पास सड़क और आसपास के इलाकों में कुछ झंडे और बैनर लगाए गए हैं। हाल की घटनाओं को देखते हुए इन्हें तुरंत हटा दिया गया। उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रामनवमी पर नॉनवेज बनने पर हुई थी हिंसा

रविवार को रामनवमी पर जेएनयू के कावेरी हॉस्टल में नॉनवेज खाना परोसे जाने पर हिंसा हुई थी। लेफ्ट विंग के छात्रों ने आरोप लगाया था कि एबीवीपी के सदस्यों ने मेस स्टाफ को नॉनवेज परोसने से रोका और छात्रों पर हमला किया था। एबीवीपी के सदस्यों ने आरोप लगाया था कि लेफ्ट विंग के छात्रों ने रामनवमी की पूजा रोकने की कोशिश की थी।

सिरोही में अनजान बीमारी से दहशत : 7 मासूमों के मौत से मातम; आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक्स की दुकानें बंद कराईं

सिरोही

सिरोही जिले के फुलाबाई खेड़ा में रहस्यमयी बीमारी से चार दिन में 7 बच्चों की मौत से गांव में मातम के बीच दहशत पसरी है। चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग की जांच टीमें मासूमों की मौत की सटीक वजह जानने में जुटी हैं। टीमों ने गुरुवार को गांव में 250 से ज्यादा घरों का सर्वे किया। घर-घर जाकर 58 बच्चों के खून के सैंपल लिए। उसे जांच के लिए लैब में भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बच्चों की मौत वायरल (एक्यूट फेस ऑफ वायरस) की वजह से हुई है। बच्चे तीन दिन से बीमार थे। इसके साथ ही इलाके में दुकानों से आइसक्रीम और कुछ ठंडे पेय पदार्थों के सैंपल लेकर इनके बेचने पर पाबंदी लगा दी गई है। वहीं, पीड़ित परिवार के लोगों का कहना है कि बच्चों को तान, जकड़न आने और खून की उल्टी हुई थी। इसके बाद तबीयत बिगड़ी और उनकी मौत हो गई।

गुरुवार को भी बिगड़ी थी तीन बच्चों की तबीयत

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जोगेश्वर प्रसाद ने बताया कि गुरुवार को योगेश (4) पुत्र विकाराम, वाकाराम (11) पुत्र थावराराम, गुड़िया (11) पुत्री सोनाराम की तबीयत बिगड़ गई थी। इन्हें इलाज के लिए 108 एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। इन बच्चों के भी सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। कलेक्टर भंवरलाल चौधरी ने बताया कि गांव के दूसरे बच्चों की भी जांच की जा रही है। जिन बच्चों की मौत हुई है, उन्हें खून की उल्टी हुई थी। आशंका है कि वायरल या दूसरी चीजों से भी ऐसा हो सकता है।

AIIMS की टीम जानकारी जुटा रही:- जयपुर और जोधपुर से आई AIIMS की टीमें इस अजीबोगरीब बीमारी को लेकर जानकारी जुटा रही है कि इन बच्चों की मौत कैसे हुई? टीमों ने स्थानीय मेडिकल अधिकारियों और प्रशासन से बात की और पीड़ित परिजन से भी मुलाकात कर पूछताछ की।

देश के 7 राज्यों में कोरोना फिर हुआ बेकाबू, दिल्ली, मुंबई और गुरुग्राम में बढ़ते केस ने डराया

नई दिल्ली

एक बार फिर से भारत समेत दुनियाभर में कोरोना केस बढ़ने लगे हैं। दिल्ली, गुरुग्राम और मुंबई में कोरोना के नए मरीजों के मिलने का सिलसिला बढ़ रहा है। ऐसे में एक बार फिर कोरोना की चौथी लहर का खतरा बन गया है। देश के कुल 734 जिलों में से 29 ऐसे हैं, जहां वीकली पॉजिटिविटी रेट 5 फीसदी से ज्यादा है। यानी WHO के मुताबिक इन जिलों में संक्रमण अभी बेकाबू है। इनमें से 23 में हाल और खराब है। इन 23 जिलों में पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी से ज्यादा है, जबकि 8 जिले ऐसे हैं जहां पॉजिटिविटी रेट 20 फीसदी से ज्यादा है। पॉजिटिविटी रेट का मतलब है कि हर 100 टेस्ट होने पर कितने कोरोना मरीज मिल रहे हैं। देश में कोरोना मरीजों के मिलने का सिलसिला फिर बढ़ रहा है। देश में मंगलवार और बुधवार को कोरोना के 1 हजार से ज्यादा नए मरीज मिले। जबकि, पिछले कुछ दिनों से देश में 700 से 800 के करीब कोरोना के केस आ रहे थे। पिछले दो महीने बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब कोरोना से ठीक होने वाले लोगों की संख्या नए मिलने वाले मरीजों से कम है। मंगलवार को 1081 लोग ही कोरोना से ठीक हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

रूस ने कीव के बाहर बना यूक्रेन का मिलिट्री बेस तबाह किया, कहा- जंग लंबी खिंची तो एटमी हमला भी करेंगे

कीव। यूक्रेन जंग को 51 दिन बीत चुके हैं। यूक्रेन के सभी इलाकों में एक साथ हवाई हमले का अलर्ट घोषित किया गया है। कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक, राजधानी कीव में ब्लास्ट की जानकारी मिली है। यहां एक के बाद एक 3 विस्फोट हुए हैं। वहीं रूस ने धमकी दी है कि अगर युद्ध लंबा खिंचा तो, हम परमाणु हमला कर सकते हैं। इस बीच यूक्रेनी हमले का शिकार रूस का मिसाइल दागने वाला वॉरशिप डूब चुका है। रूसी डिफेंस मिनिस्ट्री ने गुरुवार देर रात कहा कि यूक्रेन में सैन्य अभियान के दौरान क्षतिग्रस्त होने के बाद वॉरशिप मस्कवा ब्लैक सी में डूब गया। जहाज को टो करने के दौरान संतुलन बिगड़ने से ऐसा हुआ। वहीं, यूक्रेन के दक्षिणी सैन्य कमान ने बुधवार देर रात दावा किया कि उसने रूसी वॉरशिप मस्कवा को नेप्च्यून एंटी-शिप मिसाइलों से तबाह कर दिया है। हमले के बाद यह डूबने लगा और क्रू को जहाज छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि, रूस पहले ही वॉरशिप मिसाइल हमले से इनकार कर चुका है। रूस वे कहा है कि वॉरशिप पर आग कैसे लगी, इसकी जांच की जाएगी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने गुरुवार को स्वीकार किया है कि पश्चिमी देशों की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से रूस के तेल और गैस सेक्टर को नुकसाना पहुंचा है। इस वजह से एक्सपोर्ट कम हुआ है और इंडस्ट्री की लागत बढ़ी है। मॉस्को में अधिकारियों के साथ वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के दौरान पुतिन ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों के बैंकों ने रूसी एनर्जी एक्सपोर्ट का भुगतान करने में देरी की। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गुरुवार को कहा कि यूक्रेन में एक सीनियर अमेरिकी अफसर को भेजा जा सकता है।

म्यांमार में तख्तापलट के विरोध पर सेना का कहर

लोकतंत्र समर्थक भिक्षुओं के गांव को आग में झोंका, गोल्डन स्तूपों के पास तबाही के अवशेष बचे

म्यांमार

लोकतंत्र समर्थक भिक्षुओं के गांव को म्यांमार सेना ने पिछले साल 2021 में आग पहले आग के हवाले कर दिया था। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस गांव के लोग सैन्य जुंटा के विरोधी और लोकतंत्र के समर्थक हैं। सेना ने इसका बदला लेने के लिए बिन सहित करीब 100 गांवों और कस्बों को आग में झोक दिया। विरोध का दमन करने के लिए सैन्य जुंटा के 100 जवानों ने 5500 से अधिक आबादी वाले बिन गांव मे आग लगी दी गई। इससे शहर का बड़ा इलाका खाक हो गया।

आग के बाद बचे तबाही के अवशेष:- आग के कारण बिन कस्बे में गोल्डन स्तूपों के पास तबाही के अवशेष ही बचे हैं। सेना के कहर की तस्वीर एक पत्रकार ने फरवरी में अपने कैमरे में कैद की। अमेरिका इसे अब तक का सबसे बड़ा नरसंहार मान रहा है। उल्लेखनीय है कि म्यांमार में नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेट्रिक पार्टी की नेता आंग सान सू की सरकार का तख्तापलट कर जुंटा सेना ने फरवरी, 2021 में सत्ता पर कब्जा कर लिया था। 52 हजार से अधिक लोग सगैंग और मैगवे प्रांतों से इस साल अब तक पलायन कर चुके हैं। 2017 में सेना ने हजारों घर रोहिंग्याओं के जला दिए थे, उन्हें देश से भागना पड़ा। 26 लेखकों को जुंटा शासन ने जेलों में बंद कर दिया बीते साल। ये लोकतंत्र समर्थक माने जाते हैं।

मेघालय में आया चक्रवाती तूफान

47 गांवों के 1000 से ज्यादा घर प्रभावित, मौसम विभाग ने जारी की भारी बारिश की चेतावनी

मेघालय

मेघालय के री-भोई जिले में गुरुवार को आए चक्रवाती तूफान ने तबाही मचा रखी है। इस तूफान ने अब तक 47 गांवों के 1000 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचाया है। कई लोग बेघर हो चुके हैं। लगातार हो रही तेज बारिश से स्थिति काबू में नहीं आ रही है। जानकारी के मुताबिक, मेघालय में पिछले 3 दिन से हो रही भारी बारिश के बाद तेज हवाओं के साथ आए तूफान के बाद अब बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई है। हालांकि, अभी तक इस तूफान में किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। इसके साथ ही पश्चिमी गारो पहाड़ी, दक्षिण पश्चिम खासी पहाड़ी और पूर्वी जैंतिया जिलों के कुछ इलाकों में भी बरसात जारी है।

पीएम मोदी बनाए हुए हैं हालातों पर नजर:- वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेघालय के सीएम कॉनरोड संगमा के संपर्क में हैं, और अधिकारियों से लगातार अपडेट ले रहे हैं। उन्होंने राज्य को केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का आश्वाशन दिया है। तूफान में बीडीओ ऑफिस और पशु चिकित्सालय सहित कई गवर्मेंट प्रोपर्टी और एक स्कूल को नुकसान पहुंचा है। डिस्ट्रिक्ट डिप्टी कमिश्नर ने स्थिति का जायजा लेने के लिए आपात बैठक बुलाई है।

पूर्वोत्तर में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश का पूर्वानुमान:- भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 5 दिनों के तक देश के पूर्वोत्तर राज्यों सहित पश्चिम बंगाल में गरज के साथ भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इसका कारण निचले क्षोभमंडल स्तर पर बंगाल की खाड़ी से पूर्वोत्तर राज्यों तक तेज दक्षिणी-पश्चिमी हवाओं का प्रभाव है और निचले क्षोभमंडल स्तरों पर दबाव के कारण एक चक्रवाती तूफान पश्चिमी असम और पड़ोसी राज्यों में आ सकता है। देश के दक्षिण में भी मौसम में बदलाव होने के साथ अगले 72 घंटे में तेज बारिश होने के आसार है।

यूक्रेन जा सकते हैं जो बाइडेन:जंग के बीच जेलेंस्की से मिलने कीव पहुंचेंगे यूएस प्रेसिडेंट

कमला हैरिस और विदेश मंत्री भी साथ जा सकते हैं

कीव

रूस-यूक्रेन जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जल्द ही कीव जा सकते हैं। दरअसल, यूक्रेन को समर्थन देने के लिए व्हाइट हाउस की तरफ से एक हाई-लेवल डेलिगेशन कीव जाने वाला है। इसके बाद बाइडेन या वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस के यूक्रेन जाने की उम्मीद जताई जा रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने 9 अप्रैल को कीव जाकर हालात का जायजा लिया था।

जंग छिड़ने के बाद पोलैंड जा चुके हैं बाइडेन

जो बाइडेन इससे पहले जनवरी 2017 में बतौर वाइस प्रेसिडेंट यूक्रेन दौरे पर गए थे। रूस-यूक्रेन जंग छिड़ने के बाद राष्ट्रपति बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पोलैंड के दौरे पर जा चुके हैं, जहां उन्होंने यूक्रेन की तरफ से युद्ध कर रहे अमेरिकी सैनिकों से मुलाकात की थी। हालांकि, कीव का ये उनका पहला दौरा होगा।

जेलेंस्की से आमने-सामने हो सकती है बात

इस दौरे के जरिए अमेरिका खुद को जंग में यूक्रेन के साथ दिखाना चाहता है। साथ ही इस दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बातचीत भी हो सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जो बाइडेन और कमला हैरिस के अलावा अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के भी कीव जाने की संभावना है। हालांकि, इसे लेकर अभी कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इससे पहले अप्रैल महीने में ब्रिटेन, यूरोपियन यूनियन, ऑस्ट्रिया, पोलैंड के राष्ट्र प्रमुख भी यूक्रेन का दौरा कर चुके हैं।

यूक्रेन को लगातार मदद भेज रहा है अमेरिका:- युद्ध के बीच अमेरिका की तरफ से यूक्रेन को लगातार सहायता पहुंचाई जा रही है। हाल ही में अमेरिका ने यूक्रेन को 800 मिलियन डॉलर की मदद का ऐलान किया है, जिसके बाद कुल अमेरिकी सहायता 3 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गई है।

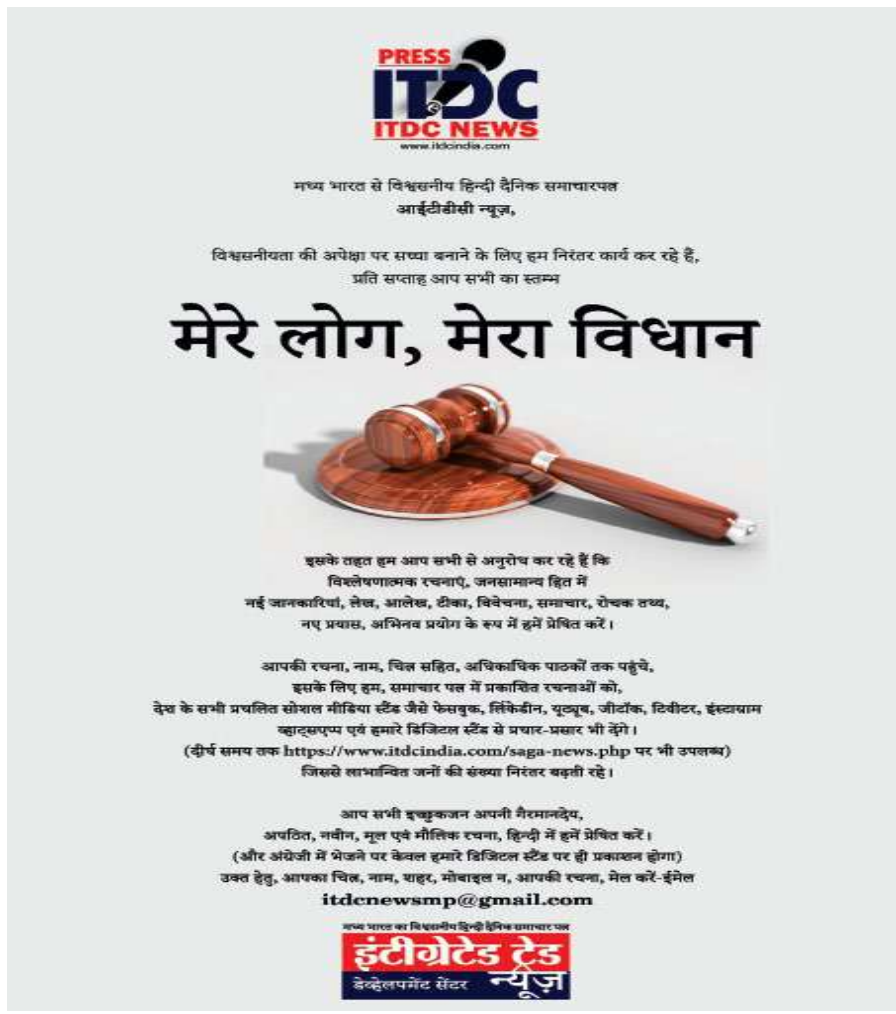

न्यूज़ ब्रीफ

श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर धम्मिका प्रसाद भूख हड़ताल पर

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर धम्मिका प्रसाद ने देश के नेताओं से ईस्टर के दिन हुए आतंकी हमले के शिकार और मौजूदा आर्थिक संकट से जूझ रहे द्वीपीय देश के लोगों के लिए न्याय की मांग करते हुए शुक्रवार को 24 घंटे की भूख हड़ताल शुरू की। प्रसाद 2019 ईस्टर के दिन रविवार को हुए बम धमाकों के शिकार लोगों के लिए न्याय की मांग के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के सचिवालय के निकट गॉल फेस एस्प्लांडे में वह रापजक्षे के खिलाफ विरोध कर रहे गुट के साथ शामिल हो गए। प्रसाद ने कहा, 'मैं बम धमाकों के शिकार सभी निर्दोषों के लिए न्याय चाहता हूं। प्रसाद ने 2006 से 2015 तक देश के लिये 25 टेस्ट और 24 वनडे खेलते हुए क्रमश 75 और 32 विकेट चटकाए थे।

पुरुष एफआईएच हॉकी विश्व कप 2023 का आधिकारिक लोगो जारी

भुवनेश्वर। हॉकी इंडिया की ओर से गुरुवार को पुरुष एफआईएच हॉकी विश्व कप 2023 का आधिकारिक लोगो जारी किया गया। हॉकी इंडिया ने अपने ट्विटर हैंडल पर विश्व कप के आधिकारिक लोगो का एक वीडियो साझा किया। लोगो बेहद आकर्षक दिख रहा है। लोगो में ट्रॉफी के ऊपर हॉकी स्टिक और बॉल दिख रही है। उल्लेखनीय है कि हॉकी इंडिया की ओर से भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम और राउरकेला में निर्माणाधीन 20 हजार सीटिंग क्षमता वाले बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में 13 से 29 जनवरी 2023 तक विश्व कप की मेजबानी की जानी है। टूर्नामेंट में भारत सहित 16 टीमें भाग लेंगी, जिसमें नीदरलैंड, बेल्जियम, इंग्लैंड, जर्मनी, स्पेन, फ्रांस, वेल्स, दक्षिण अफ्रीका, अर्जेंटीना, चिली, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। शेष तीन टीमें इंडोनेशिश के जकार्ता में 23 मई से एक जून 2022 तक होने एशिया कप 2022 के बाद विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। एशिया कप हॉकी विश्व कप 2023 के लिए क्वालीफायर टूर्नामेंट भी है।

गुलाबी पोशाक में दिखीं फुटबॉल स्टार रोनाल्डो की वेग जॉर्जीना रोड्रिगेज

मैनचैस्टर। मैनचैस्टर युनाइटेड स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो की गर्भवती साथी जॉर्जीना रोड्रिगेज गुलाबी पोशाक में स्पोर्ट्स कार में पोज देती नजर आई है। ब्यूनस आयर्स में जन्मी 28 वर्षीय जॉर्जीना इस साल के अंत में जुड़वां ब'चों को जन्म देने वाली हैं। दंपति के पास पहले ही एक बेटी अलाना है। वैसे रोनाल्डो का 11 साल का बेटा क्रिस्टियानो जूनियर, जुड़वां ईवा और माटेओ भी हैं।

रूट ने इंग्लैंड की टेस्ट कप्तानी से दिया इस्तीफ़ा

लंदन

जो रूट ने तुरंत प्रभाव से इंग्लैंड के टेस्ट कप्तानी पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। रूट पांच सालों तक इस पद पर बने रहे। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 64 टेस्ट में कप्तानी करते हुए सबसे ज़्यादा 27 जीते और 26 हारे। लेकिन उनकी टीम पिछले 17 मैचों में केवल एक ही मैच जीत पाई थी और इससे उनके पद पर बादल मंडराने लगे थे। वेस्टइंडीज़ के खि़लाफ़ ग्रेनेडा में अपने सबसे हालिया टेस्ट में इंग्लैंड की हार के बाद रूट ने जोर देकर कहा कि वह इस समय को आगे ले जाने के लिए बहुत जुनूनी बने रहे और उनकी टीम ने बड़े सुधार किए और उस सीरीज में 0-1 की हार के बाद कुछ शानदार क्रिकेट खेला । लेकिन पब्लिक की राय कुछ और थी, जहां उनके साथ खेले कई पूर्व खिलाड़ियों ने खुलेआम उनसे कप्तानी से हटने को कहा। उनसे पहले कप्तान रहे ऐलिस्टेयर कुक ने पिछले सप्ताह कहा था कि उनकी अथक सकारात्मकता ने उन्हें भ्रमित होने का जोखि़म दिया। वापस प ?त्नी और बच्चों के पास लौटने के बाद रूट का दिमाग बदला और उन्होंने इस्तीफ़ा देने का निर्णय कर लिया। रूट ने कहा, वेस्टइंडीज़ के दौरे से लौटने के बाद और सोचने के बाद मैंने इंग्लैंड की टेस्ट कप्तानी पद से इस्तीफ़ा देने का निर्णय लिया है। यह मेरे करियर के सबसे मुश्किल फ़ैसलों में से एक है, लेकिन मैंने यह अपने परिवार और नज़दीकी लोगों से बात करने के बाद लिया है, मुझे पता है यही सही समय है। उन्होंने कहा, मुझे अपने देश की कप्तानी करने पर गर्व है और जब भी मैं पिछले पांच सालों के बारे में सोचूंगा तो मुझे गर्व होगा। इस पद पर रहना सम्मान की बात है। देश का नेतृत्व करते हुए मुझे बहुत मज़ा आया लेकिन हाल में जिस तरह का दबाव मुझ पर आया, इसने मैच में ही नहीं

उससे बाहर भी मुझे पर असर डाला है। रूट ने पुष्टि की कि वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे और कहा कि वह आगे भी अच्छा प्रदर्शन करके टीम की जीत में योगदान देने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं आगामी कप्तान, मेरे साथियों और कोच की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहूंगा। रूट के उप कप्तान बेन स्टोक्स ही अब कप्तान बनने के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं। रॉरी बन्-?स, स्टुअर्ट ब्रॉड और जॉस बटलर भी इस पद के दावेदारों में से एक हैं।

रूट का इस्तीफ़ा उस वक्त आया जब इंग्लैंड टीम की ऐशेज़ और वेस्टइंडीज़ में हार के बाद आलोचना हुई थी, जहां कहा गया कि इस पुरुष टीम का ना कोई मैनेजिंग डायरेक्टर है, ना कोई प्रमुख कोच है, ना कोई चयनकर्ता और ना कोई टेस्ट कप्तान है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख टॉम हैरिसन ने कहा, अपने कार्यकाल के दौरान रूट एक रोल मॉडल रहे हैं, उन्होंने कप्तानी में एक संतुलन पैदा किया जिससे उन्होंने अपने निज़ी प्रदर्शन में भी अच्छा करने में मदद मिली।

उन्होंने आगे कहा, रूट की नेतृत्वकर्ता की क्षमता कमाल की थी। उन्होंने कई मुश्किल समय में टीम का नेतृत्व किया। महामारी के दौरान उन्होंने पूरी दुनिया में जाकर क्रिकेट खेला। मैं जानता हूं रूट ने हर किसी की बहुत मदद की है। उन्होंने कप्तान के तौर पर एक उदारण पेश किया है। मैदान से बाहर भी रूट में कोई बदलाव नहीं दिखा। उनके साथ काम करना सम्मान की बात रही है। मैं जानता हूं वह इंग्लैंड क्रिकेट को आगे बढ़ाने में काम करते रहेंगे और अपने अनुभव से टीम को आगे बढ़ाएंगे। कुक के इस्तीफ़े के बाद रूट 2017 में कप्तान बने थे। उनके कप्तानी करियर की प्रमुख सफलता 2018 में घर में भारत के खि़लाफ़ और 2019-20 में घर से बाहर साउथ अफ़्रीका के खि़लाफ़ सीरीज़ जीत रही। वहीं ऑस्?ट्रेलिया के खि़लाफ़ 0-4 की हार, घर में न्यूज़ीलैंड और भारत के खि़लाफ़ उनकी हार उनके करियर के कुछ ख़राब पल रहे। कप्तानी ने उनकी बल्लेबाज़ी पर प्रभाव डाला लेकिन 2021 में वह इससे बाहर निकल आए। उन्होंने पिछले साल एक साल में 1708 रन बनाए और वह एक कैलेंडर ईयर में इंग्लैंड के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने के मामले में तीसरे नंबर पर आ गए। यह आंकड़े तब और भी प्रभावित करते हैं क्योंकि उनके साथी खिलाड़ी तब फ़ॉर्म में नहीं थे।

राजस्थान की हार के दोषी संजू सैमसन

अश्विन को नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा खुद 11 गेंद पर 11 रन ही बना सके

नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल के 24वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 37 रन से हार का सामना करना पड़ा। राजस्थान के सामने 193 रन का टारेगट था, लेकिन टीम 155 रन ही बना सकी। राजस्थान की इस हार का अगर कोई एक जिम्मेदार चुना जाए तो वह खुद कप्तान संजू सैमसन ही होंगे। बतौर कप्तान सैमसन ने इस मैच में कई गलतियां कीं। बतौर बल्लेबाज भी वे फ्लॉप साबित हुए।

अश्विन को नंबर-3 पर भेजने का फैसला गलत साबित हुआ

राजस्थान को मैच जीतने के लिए करीब 10 रन प्रति ओवर की जरूरत थी। जोस बटलर ने 24 गेंदों पर 54 रन की पारी खेलकर टीम को धमाकेदार शुरुआत भी दिलाई। हालांकि, दूसरे छोर पर देवदत्त पडिक्कल बिना खाता खोले पहली ही गेंद पर आउट हो गए। यहां सैमसन ने नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने के लिए रविचंद्रन अश्विन को भेज दिया। अश्विन 8 गेंद पर 8 रन बनाकर आउट हो गए और सैमसन का फैसला गलत साबित हो गया।

खुद भी धीमी बल्लेबाजी की और रन आउट भी हो गए

जोस बटलर के आउट होने के बाद राजस्थान को संजू सैमसन से आक्रामक पारी की उम्मीद थी, लेकिन वे फ्लॉप रहे और 11 गेंदों पर 11 रन बनाकर रन आउट हो गए। जब टीम को 9-10 रन हर ओवर में चाहिए थे तब सैमसन की धीमी बल्लेबाजी से टीम पर दबाव बना।

कुलदीप सेन को चौथा ओवर देना भी गलत रहा

मध्य प्रदेश के युवा गेंदबाज कुलदीप सेन ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन इस मैच में वे लय में नहीं दिख रहे थे। कुलदीप ने अपने पहले तीन ओवर में 30 रन दे दिए थे। इसके बावजूद संजू ने उन्हें चौथा ओवर दिया। गुजरात की पारी का 19वां ओवर कुलदीप का चौथा ओवर था। इसमें उन्होंने 21 रन दे दिए। इस वजह से गुजरात की टीम विशाल स्कोर बनाने में सफल रही।

फागरनेस इंटरनेशनल शतरंज

अर्जुन एरिगासी समेत 4 भारतीय सयुंक्त बढ़त पर

फागरनेस , नॉर्वे

फागरनेस इंटरनेशनल शतरंज 2022 में इस समय 71 ग्रांड मास्टर समेत दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों के बीच जोरदार मुक़ाबले देखने को मिल रहे है पर खासतौर पर भारत के शीर्ष 15 के कई खिलाड़ी अभी अपनी रेटिंग को बढ़ाकर आगामी शतरंज ओलंपियाड में अपनी जगह बनाने में लगे हुए है । प्रतियोगिता में अब तक छह राउंड खेले जा चुके है और फिलहाल टॉप सीड भारत के अर्जुन एरिगासी, निहाल सरीन, कृष्णन शशिकिरण और आर्यन चोपड़ा 4.5 अंक बनाकर 7 अन्य खिलाड़ियों के साथ सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है । छठे राउंड में पहले बोर्ड पर अर्जुन एरिगासी नें नॉर्वे के ओलसन उरकेडल से बाजी ड्रॉ खेली जबकि पांचवें बोर्ड पर कृष्णन शशिकिरण नें नॉर्वे के फ़्रेडरिक कासेन को ,छठे बोर्ड पर निहाल सरीन नें कजाकिस्तान की अब्दुमालिक ज़हंसाया को तो सातवें बोर्ड पर आर्यन चोपड़ा नें नॉर्वे के अब्दुलरौफ एलहम को पराजित करते हुए सयुंक्त बढ़त में जगह बनाई वही आठवे बोर्ड पर एसपी सेथुरमन नें नॉर्वे के आन्द्रेस होबर को पराजित करते हुए 4 अंक बना लिए है । फिलहाल भारत के अर्जुन एरिगासी 2678 रेटिंग के साथ लगभग भारत की ए टीम के लिए जगह बना चुके है जबकि निहाल और शशिकिरण को आनंद के नहीं खेलने की स्थिति में मौका मिल सकता है और फिलहाल निहाल इस दौड़ में 2 अंको से आगे चल रहे है । 9 राउंड के इस टूर्नामेंट का अंतिम राउंड 17 अप्रैल को खेला जाएगा

लगता है कि मुझे राष्ट्रमंडल खेल और एशियाड से बाहर रखकर बैडमिंटन संघ खुश है : साइना नेहवाल

नई दिल्ली

दो बार राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता रही साइना नेहवाल ने चयन ट्रायल की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए उन्हें दोनों से बाहर करने के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ की आलोचना की। बीएआई ने दो अप्रैल को चयन ट्रायल रखा था जिसमें बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल और हांगझोउ एशियाई खेलों के साथ बैंकाक में आठ से 15 मई तक होने वाले थॉमस कप और उबेर कप की टीम का भी चयन किया गया।

दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना ने कहा कि उन्होंने बीएआई को इंदिरा गांधी स्टेडियम पर हुए ट्रायल से बाहर रहने की सूचना दे दी थी लेकिन इसके यह मायने नहीं है कि वह इन टूर्नामेंटों में भाग नहीं लेना चाहती थी। उन्होंने ट्वीट किया कि ऐसी खबरें पढकर हैरान हूं कि मैं राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में भाग नहीं लेना चाहती थी। मैं यूरोप में तीन सप्ताह खेलकर लौटी हूं और इसी वजह से ट्रायल में भाग नहीं लिया। एक सीनियर खिलाड़ी होने के नाते लगातार खेलना संभव नहीं है। इससे चोट लगने का डर है और इतने कम समय पूर्व दी गई सूचना पर तो बिल्कुल नहीं।

पाकिस्तान को अपने क्रिकेटर्स की नीयत पर था शक:2012 में भारत दौरे पर पत्नियों को जासूस बनाकर भेजा, ताकि खिलाड़ी बहक न जाएं

इस्लामाबाद

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष जका अशरफ ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि 2012 की द्विपक्षीय सीरीज के दौरान उन्हें पाकिस्तानी खिलाड़ियों के भारत में रहने को लेकर शंका थी। इसलिए उन्होंने हर खिलाड़ी के साथ पत्नी के जाने का बंदोबस्त किया। यह भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज थी। पहले भी पाकिस्तानी खिलाड़ी मैच के बाद पार्टियों में अय्याशी करते हुए पाए जाते थे। भारत के खिलाफ 1998-99 की टेस्ट सीरीज में कोलकाता टेस्ट के दौरान सचिन और द्रविड को एक ही दिन बोल्ड करने की खुशी में शोएब अख्तर टीशर्ट उतार कर आधी रात डांसर्स के साथ पब में डिस्को कर रहे थे। तब कप्तान रहे वसीम एकरम बड़ी मुशकिल से शोएब को होटल वापस ले जा सके थे। वह शोएब का पहला भारत दौरा था और अख्तर ने सब शर्म और लिहाज त्याग दिया था।

आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल होने का था डर

पहले पाकिस्तान के भारत दौरे पर आने के दौरान खिलाड़ियों की तस्वीरें और वीडियो वायरल होते रहे हैं। ऐसे में अशरफ को डर था कि कहीं भारतीय मीडिया के हाथ कुछ लग गया तो इससे क्ष्टक्क और पाकिस्तान की छवि को बड़ा नुकसान हो सकता है। अशरफ की पहल पर यह तय किया गया कि खिलाड़ियों की हरकतों पर नजर रखने के लिए उनकी पत्नियां साथ रहेंगी। अशरफ को लगा कि अगर बीवी साथ होगी तो खिलाड़ी देर रात बाहर नहीं भटकेंगे। शराब और शबाब के शौकीन पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर नकेल कसने के लिए यह किया गया था। अशरफ का कहना है कि जब भी पाकिस्तान की टीम इंडिया के दौरे पर आती थी तो भारतीय मीडिया हमारे खिलाड़ियों की छवि खराब करने की फिराक में रहता था। इससे पूरा पाकिस्तान बदनाम हो सकता था। ऐसे में किसी भी आशंका को पूरी तरह से खत्म करने के लिए पत्नियों को जासूस बनाकर भेजा गया।

टी-20 सीरीज ड्रॉ तो वनडे सीरीज जीता था पाकिस्तान

2012-13 में पाकिस्तानी टीम 3 एकदिवसीय और दो टी-20 मैच खेलने भारत आई थी। पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों के कारण उस दौरे के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध फिर बहाल नहीं हो सके। टी-20 सीरीज बराबरी पर समाप्त हुई थी जबकि वनडे सीरीज में पाकिस्तानी टीम ने जीत दर्ज की थी।

BCCI पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप

अशरफ ने आगे बताया कि बीसीसीआई ने एक रिटर्न सीरीज खेलने का वादा किया था, जिसमें भारत को पाकिस्तान दौरे पर जाना था, लेकिन वह वादा तोड़ दिया गया। अशरफ ने कहा, हमें हमेशा क्रिकेट के संबंध में भारत सरकार के साथ संबंध बहाल करने का प्रयास करना चाहिए। अभी हमारे पास सबसे बड़ा फायदा यह है कि जनरल बाजवा वर्तमान में इस पद पर काबिज हैं और वह खुद पाकिस्तान क्रिकेट को समृद्ध देखना चाहते हैं। अशरफ के मुताबिक तत्कालीन बीसीसीआई अध्यक्ष एन. श्रीनिवासन ने उन्हें भारत बुलाकर पूरी सुरक्षा के साथ सीरीज कराने की सहमति दी थी।

न्यूज ब्रीफ

कोलकाता के आईटी केंद्र में 348 फुट ऊंची इमारत बनाएगा मर्लिन समूह

नई दिल्ली। कोलकाता की रियल्टी क्षेत्र की कंपनी मर्लिन ग्रुप शहर के आईटी केंद्र सॉल्ट लेक के सेक्टर-पांच में 200 करोड़ रुपये की लागत से गगनचुंबी इमारत का निर्माण करेगी। कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि प्रस्तावित वाणिज्यिक केंद्र 'द समिट' में 28 मंजिले होंगी और यह 348 फुट ऊंची इमारत होगी। यह सेक्टर-पांच का सबसे ऊंचा व्यावसायिक स्थान होगा। अभी सबसे ऊंची इमारत पीएस सृजन कॉपोरेट पार्क 'आईटी ब्लॉक' की है जो 295 फुट ऊंची है। कोलकाता की सबसे ऊंची आवासीय इमारत 'द 42' है। यह 853 फुट ऊंची है और इसमें 65 मंजिले हैं। 'द समिट' पूर्वी भारत का पहला आईटी और आईटीईएस टॉवर होगा, जिसे भारतीय हरित इमारत परिषद से हरित इमारत और हेल्थ एंड वेलनेस का दोहरा प्रमाणीकरण मिलेगा। मर्लिन ग्रुप के प्रबंध निदेशक साकेत मोहता ने कहा, ''कोविड-19 महामारी अब खत्म हो रही है, कंपनियां अपने कार्यालयों को फिर से खोल रही हैं और कर्मचारियों को कार्यालय से काम करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। हमने 'द समिट' में स्टार्टअप और एमएसएमई क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए छोटे कार्यालयों की योजना बनाई है जिनका क्षेत्रफल 800 वर्ग फुट से शुरू होगा।'' मोहता ने कहा कि यह व्यावसायिक परियोजना 2025 तक पूरा हो जाएगी।

रियल्टी सुधरी तो ग्वालियर-चंबल के सैंडस्टोन की मांग निखरी

नई दिल्ली। देश-विदेश में मशहूर ग्वालियर और चंबल के सैंडस्टोन कारोबार को महामारी के दौरान जो झटका लगा था, उसका असर काफी हद तक देसी बाजार ने कम कर दिया है। कोरोना से जुड़ी बंदिशें खत्म होने के कारण देश में इस पत्थर की मांग बढ़ रही है। विदेश में भी मांग है मगर आयातक ऑर्डर लेने से बच रहे हैं क्योंकि कंटेनर की कमी के कारण भाड़ा बहुत बढ़ गया है। आयातक भाड़ा कम होने के इंतजार में ऑर्डर टाल रहे हैं। बहरहाल देश में रियल एस्टेट का काम बढऩे से निकली देसी मांग इस उद्योग को बहुत सहारा दे रही है। हालांकि अब खदानों का ठप रहना कारोबारियों के लिए चुनौती है क्योंकि उसकी वजह से कच्चे माल की किल्लत हो रही है। इलाके में सैंडस्टोन की 400 छोटी-बड़ी इकाइयां हैं। सैंडस्टोन कारोबारियों के मुताबिक कोरोना से पहले जिनका सालाना कारोबार 200 से 250 करोड़ रुपये था, अब यह घटकर 100 से 150 करोड़ रुपये रह गया है। अगर पर्याप्त मात्रा में खदानें चलें तो सालाना कारोबार 500 से 600 करोड़ रुपये पहुंचने की संभावना है। मध्य प्रदेश स्टोन एसोसिएशन के संरक्षक और ग्वालियर में स्टोन निर्यातक भानुप्रताप सिंह राठौर भी कच्चे माल की किल्लत से परेशान हैं। वह कहते हैं कि देश-विदेश से भरपूर ऑर्डर मिलने भी लगें तो कच्चे माल की कमी के कारण कारोबारी उनकी आपूर्ति ही नहीं कर पाएंगे। ग्वालियर और चंबल के इलाके में सफेद और हल्के पीले रंग का पत्थर मिलता है। इसमें फिसलन बहुत कम होती है और इस तरह का सैंडस्टोन दुनिया में बहुत कम पाया जाता है।

दूरसंचार क्षेत्र में बौद्धिक संपदा को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली

दूरसंचार विभाग इस क्षेत्र में बौद्धिक संपदा अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक खाका तैयार कर रहा है। इसमें %सॉवरिन पेटेंट कोष% और %भारत टेक्नोलॉजी बैंक% गठित करने के साथ ही पेटेंट हासिल करने में लगने वाला समय कम करने के लिए जरूरी बदलाव करना शामिल हो सकता है। दूरसंचार विभाग डिजिकॉम बौद्धिक संपदा प्रबंधन बोर्ड गठित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा कर रहा है। भारत में किसी पेटेंट को मानक आवश्यक पेटेंट (एसईपी) घोषित करने पर अगर कोई आपत्ति होती है तो इसके पास मध्यस्थता करने का अधिकार होगा। अगर पेटेंट धारक और संभावित लाइसेंसधारक के बीच कीमत निष्पक्ष या भेदभावपूर्ण होने पर विवाद दिखता है तो ऐसे मामले में आखिरी निर्णय का अधिकार भी डिजिकॉम बौद्धिक संपदा प्रबंधन बोर्ड के पास होगा। एसईपी संरक्षित और उद्योग की मुख्य तकनीक का पेटेंट होता है। हालांकि विदेशी कंपनियों का कहना है कि ऐसे पेटेंट विवाद का निपटारा अदालत में होना चाहिए न कि किसी अधिकारी द्वारा। दुनिया भर में यही चलन है। मगर ऐसा नहीं होने से विवाद निपटान में एक और समस्या खड़ी हो सकती हे। उनका कहना है कि विदेशी पेटेंट धारकों से अन्य हितधारकों की तरह ही बात करनी चाहिए। मगर प्रस्तावित बोर्ड में उनका समुचित प्रतिनिधित्व नहीं है और बोर्ड में भारतीय शिक्षाविद तथा सरकार के अधिकारी ही शामिल हैं। जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों से पेटेंट उधार लेने के मामले देखते हुए बात चल रही है कि एसपीएफ की स्थापना के माध्यम से विदेशी बाजार में बेहतर मूल्य निर्माण विकसित करने की खातिर भारतीय कंपनियों को एकसाथ लाना होगा। भारत राष्ट्रीय स्तर पर या क्षेत्र आधारित एसपीएफ गठित कर सकता है, जिसके तहत सूचना प्रौद्योगिकी

मंत्रालय और दूरसंचार विभाग एकसाथ आकर आईसीटी उद्योग गठित करेंगे।
पेटेंट पूल करने के अलावा एसपीएफ एसएमई और स्टार्टअप के लिए आईपीआर जीवन चक्र प्रबंधन के लिए भी जिम्मेदार होगा। यह देश के लिए अहम प्रौद्योगिकियों जैसे 5जी और 6जी के लिए बौद्धिक संपदा लाइसेंस खरीदने में भी अहम भूमिका अदा करेगा और राष्ट्रीय स्तर पर लाइसेंस शुल्क पर मोलभाव करेगा। साथ ही यह भारतीय उद्योग को आकर्षक दाम पर लाइसेंस उपलब्ध कराएगा। यह सुझाव दिया गया है कि प्रस्तावित एसपीएफ विशेष उद्देश्यीय इकाई के जरिये अपने रोजमर्रा के कामों के लिए विशेषज्ञ एजेंसियों से गठजोड़ करेगा, जिसके बोर्ड पर सरकार की नजर होगी। भारतीय उद्योग को राष्ट्रीय स्तर पर लाइसेंस देने के लिए पेटेंट मालिक से बौद्धिक संपदा अधिकारों का लाइसेंस खरीदने के वास्ते शुरुआती कोष भी दिया जाएगा। इसके साथ ही केंद्रीय एजेंसी के अंतर्गत %भारत टेक्नोलॉजी बैंक% गठित करने पर भी चर्चा की जा रही है, जो देश भर में फैले सरकार के आरऐंडडी संस्थानों में उपलब्ध तकनीकों को एकजुट करेगा। यह तकनीक जरूरतमंद देशों को किफायती शुल्क पर लाइसेंस के तहत दी जा सकती है। इससे भारतीय कंपनियों को नए बाजारों में पहुंच बनाने में भी मदद मिलेगी। दूरसंचार क्षेत्र गंभीर समस्या से जूझ रहा है। उदाहरण के तौर पर भारत में दूरसंचार क्षेत्र के लिए सार्वजनिक रूप से पेटेंट डेटाबेस उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यह एसएमई या स्टार्टअप के लिए काफी महंगा हो जाता है और वे दूसरे के बौद्धिक संपदा अधिकारियों का उल्लंघन करते हैं।

देश में शुरू होगी फैक्शनल शेयर ट्रेडिंग

महंगे शेयर्स को भी 100 रुपए में खरीद पाएंगे

नई दिल्ली

देश के छोटे इनवेस्टर्स को जल्द ही महंगे शेयरों में भी पैसा लगाने का मौका मिल सकता है। वे 100 रुपए जैसी छोटी रकम में भी महंगे शेयरों का एक छोटा सा हिस्सा (फ्रैक्शनल शेयर) खरीद सकेंगे। कंपनी लॉ कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में देश में फ्रैक्शनल शेयरों की अनुमति देने की सिफारिश की है।

अमेरिका, ब्रिटेन, जापान समेत ज्यादा विकसित देशों में पहले से यह सुविधा:- अमेरिका, ब्रिटेन और जापान समेत ज्यादातर विकसित देशों में फ्रैक्शनल शेयरों की ट्रेडिंग होती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भेजी अपनी रिपोर्ट में कमेटी ने कहा है कि मौजूदा कंपनी अधिनियम के तहत कंपनियों को फ्रैक्शनल शेयर जारी करने की अनुमति नहीं है। यदि इसकी अनुमति दी जाती है तो रिटेल इनवेस्टर्स को हाई-वैल्यू शेयरों में पैसा लगाने का मौका मिलेगा। इससे पूंजी बाजार में बड़े पैमाने पर पैसा आएगा।

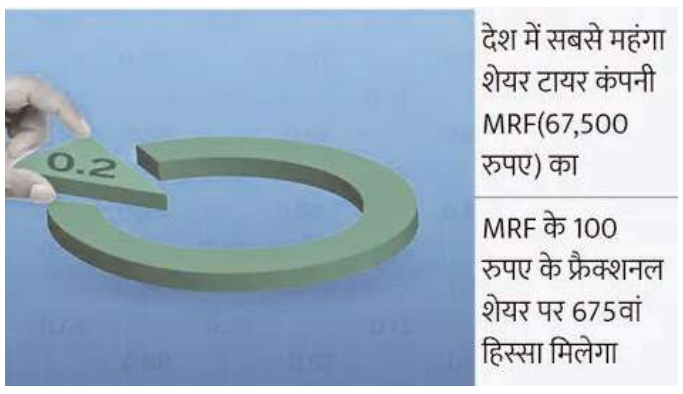

अकेले वित्त वर्ष 2020-21 में ही 1.42 करोड़ नए रिटेल इनवेस्टर्स ने शेयर बाजार में कदम रखा है। लॉ कंसल्टेंसी फर्म जे. सागर एसोसिएट्स के पार्टनर आनंद लाकरा कहते हैं, शेयर बाजार में रिटेल इनवेस्टर्स की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए फ्रैक्शनल शेयरों की ट्रेडिंग की अनुमति देने की सिफारिश शानदार पहल है। इससे छोटे इनवेस्टर्स को ऐसे शेयरों में पैसा लगाने की सुविधा मिलेगी, जिनमें वे अभी निवेश नहीं कर सकते।

फैक्शनल स्टॉक निवेशकों और कंपनियों दोनों के लिए फायदे का सौदा

भारत में अभी शेयर में निवेश की न्यूनतम इकाई एक शेयर है। यानी किसी कंपनी का कम से कम एक शेयर खरीदना होता है।
देश में सबसे महंगा शेयर टायर कंपनी एमआरएफ (67,500 रुपए) का है।
फ्रैक्शनल शेयर किसी शेयर का एक अंश होता है। आप जितने रुपए उस शेयर में लगाते हैं, उतना हिस्सा आपको मिल जाता है।
अगर आप एमआरएफ का 100 रुपए का फ्रैक्शनल शेयर लेते हैं तो आपको उसका 675वां हिस्सा मिल जाएगा।
ट्रस्टी के जरिए निवेशक इन्हें बेच भी सकते हैं। शेयर बेचने पर अपने हिस्से के बराबर राशि शेयरधारकों को मिल जाती है। ऐसे शेयरधारकों को कंपनी की ओर से जारी लाभांश भी उनके हिस्से के अनुपात में मिलता है।
ज्यादातर अच्छे शेयरों की कीमत अधिक होती है। यदि कोई हर महीने हजार रुपए के शेयर लेना चाहता है तो वह रिलायंस, टीसीएस या नेस्ले के शेयर नहीं खरीद सकता। ये तीनों ही शेयर एक हजार रुपए से महंगे हैं। शेयरधारकों को फ्रैक्शनल शेयरों की डिलीवरी नहीं होती। आमतौर पर ऐसे शेयर संबंधित कंपनी के बोर्ड की तरफ से नियुक्त एक ट्रस्टी के अकाउंट में क्रेडिट किए जाते हैं, जो इनका केयरटेकर भी होता है।

एलन मस्क ने खरीदा तो बदलेगा ट्विटर

यूजर्स बिना रोक-टोक के ट्वीट कर पाएंगे, ट्वीट पर किसी तरह का एक्शन या छेड़छाड़ होने का पता चलेगा

नई दिल्ली

एक टेड टॉक्स इवेंट में एलन ने ट्विटर को खरीदने और उसमें बदलाव को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं ट्विटर को खरीदने को लेकर पूरी तरह से कंफर्म नहीं हैं। यदि ट्विटर मेरे इस ऑफर्स को ठुकरा देता है तो मेरे पास इसे खरीदने के लिए प्लान क है। साथ ही एलन मस्क ने ट्विटर पर वे किस तरह के बदलाव चाहते हैं उस पर भी बात की। उन्होंने ट्विटर के ऐल्गोरिद्म को ओपन-सोर्स करने की राय दी है। इससे लोगों के ट्वीट पर किसी तरह का बदलाव किया जाता है तो वो चीजें दिख जाएंगी और सभी लोग उसमें हुए एक्शन को देख पाएंगे। साथ ही मस्क ने 43 अरब डॉलर के कैश ऑफर पर ट्विटर खरीदने को लेकर संदेह जाहिर किया। इस डील को लेकर यह उनका पहला कमेंट है। एलन मस्क का यह बयान 43 अरब डॉलर (करीब 3.2 लाख करोड़ रुपए) में ट्विटर इंक को खरीदने के ऑफर के बाद आया है। इसके लिए मस्क 54.20 डॉलर प्रति शेयर के हिसाब से कैश पेमेंट करने की बात कही थी। मस्क ने यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन के साथ फाइलिंग में इस ऑफर की जानकारी दी है।

मस्क ने इवेंट में आगे कहा कि ट्विटर को अपने ऐल्गोरिद्म को ओपन-सोर्स करना चाहिए। ताकि लोगों के ट्वीट पर किसी तरह का बदलाव किया जाता है तो वो चीजें दिखे और सभी लोग उसमें हुए एक्शन को देख पाएं कि कौन सा ट्वीट प्रोमेटेड और अनप्रोमेटेड है। इससे किसी के ट्वीट के साथ ऐल्गोरिद्म या मैन्युअल रूप से होने वाली छेड़छाड़ की जानकारी मिलेगी और उस पर रोक लगेगी। मस्क ने आगे कहा कि फ्री स्पीच का सब के लिए होना बहुत जरूरी है। लोगों को कानून का पालन करते हुए जो सही है और जो उनका नजरिया है उसे बताना बहुत जरूरी है।

तनाव का व्यापार पर असर नहीं

जनवरी-मार्च तिमाही में 15.3 फीसदी बढ़ा भारत-चीन ट्रेड, व्यापार घाटा बढ़कर 22.23 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली

पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन के बीच सैन्य गतिरोध के कारण लंबे समय से संबंध तनावपूर्ण है। इसके बावजूद जनवरी-मार्च तिमाही में दोनों देशों के बीच बाइलेटरल ट्रेड 15.3 फीसदी बढ़कर 31 अरब डॉलर के पार पहुंच गया। भारत को चीन का एक्सपोर्ट 27.1 अरब डॉलर और इंपोर्ट केवल 4.87 अरब डॉलर है। ऐसे में व्यापर घाटा बढ़कर 22.23 अरब डॉलर हो गया। चाइनीज कस्टम्स ने बुधवार को ये डेटा जारी किया है। बीते साल, भारत-चीन ट्रेड 125 अरब

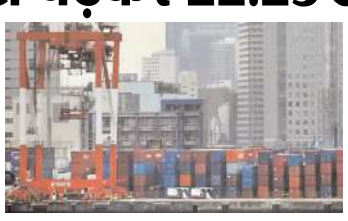

डॉलर से ज्यादा की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया था। पिछले साल, भारत को चीन का एक्सपोर्ट 46.2 फीसदी बढ़कर 97.52 अरब डॉलर रहा था, जबकि चीन को भारत का एक्सपोर्ट 34.2 फीसदी बढ़कर 28.14 अरब डॉलर हो गया था। व्यापार घाटा 69.38 डॉलर रहा था। चाइना-साउथ एशिया कोऑपरेशन रिसर्च सेंटर के सेक्रेटरी लियू जोंगयी ने दोनों देशों के बढ़ते ट्रेड पर कहा, बाइलेटरल ट्रेड में लगातार बढ़ोतरी ने ग्लोबल जियोपॉलिटिकल टेंशन के बावजूद दो प्रमुख डेवलपिंग इकोनॉमी की कॉम्प्लेमेंटरिटी को दिखाया। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अलावा इंडियन फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले करीब 70 फीसदी केमिकल और अन्य मैन्युफैक्चरिंग गुड्स चीन से इंपोर्ट किए जाते हैं।

टाटा पावर जुटाएगी 4,000 करोड़

नई दिल्ली

टाटा समूह की बिजली इकाई टाटा पावर ने आज कहा कि वह अपने अक्षय ऊर्जा कारोबार का विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी ब्लैकरॉक और मुबाडला सहित निवेशकों के एक समूह को 10.53 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 4,000 करोड़ रुपये (52.5 करोड़ डॉलर) जुटाएगी। टाटा पावर ने कहा कि उसका लक्ष्य एक समग्र ऊर्जा प्लेटफॉर्म तैयार करने का है, जिसके लिए उसने ब्लैकरॉक की अगुआई वाले कंसोर्टियम से निवेश के लिए बाध्यकारी समझौता किया है। इसके तहत कंसोर्टियम टाटा पावर की सहायक इकाई टाटा पावर रीन्यूएबल एनर्जी में इक्विटी और अनिवार्य परिवर्तनीय निवेश साधनों के जरिये पूंजी निवेश करेगा। यह निवेश 34,000 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर किया जा रहा है। टाटा पावर के मुख्य कार्याधिकारी और प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा, %यह साझेदारी हमें आगे आने वाले दशकों में आकर्षक अवसरों

किया जाएगा। पहला चरण जून 2022 तक पूरा होगा और निवेश का दूसरा 9.76 फीसदी से 11.43 फीसदी के दायरे में होगी जो इक्विटी को शेयर में बदलने पर निर्भर करेगी। कंपनी द्वारा नवगठित प्लेटफॉर्म में पांच विशिष्ट कारोबारी क्षेत्र शामिल होंगे। इनमें सौर, पवन और हाइब्रिड बिजली उत्पादन परिसंपत्तियां, सोलर सेल और मॉड्यूल विनिर्माण, इंजीनियरिंग, खरीद ओर निर्माण (ईपीसी) अनुबंध, छतों पर लगाए जाने वाले सौर बुनियादी ढांचा, सोलर पंप और इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए बुनियादी ढांचा प्रमुख हैं। टाटा पावर देश की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनी है।
कंपनी ने कहा है कि यह कोयले से बिजली उत्पादन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहती है और वित्त वर्ष 2030 तक अपनी स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा क्षमता बढ़ाकर 80 प्रतिशत तक करना चाहती है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान हरित ऊर्जा खंड में गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारत सहित दुनिया के अन्य देश बिजली उत्पादन के लिए कोयले पर बढ़ाने में जुट गए हैं। टाटा पावर-ब्लैकस्टोन के बीच हुआ सौदा हरित ऊर्जा खंड में अब तक हुए शीर्ष 10 सौदों में शामिल है। इस खंड में सबसे बड़ा सौदा अदाणी ग्रीन ने किया था जब उसने एसबी एनर्जी इंडिया का अधिग्रहण 2021 में 26,000 करोड़ रुपये में कर लिया था। एसबी एनर्जी इंडिया पर पहले सॉफ्टबैंक और भारत एंटरप्राइजेज का नियंत्रण था। एक दूसरे सौदे में रीन्यू पावर ने 2018 में ओस्ट्रो एनर्जी को 10,800 करोड़ रुपये में खरीद लिया था। टाटा पावर ने कहा कि ऊर्जा परिसंपत्तियों की इसकी सूची अब लंबी हो गई है जिससे कारोबार में विविधता तो आएगी मगर राजस्व के स्रोत स्थिर बने रहेंगे। कंपनी की अक्षय ऊर्जा इकाई में इस समय करीब 4.9 गीगावॉट क्षमता की अक्षय ऊर्जा परिसंपत्तियां हैं। टाटा पावर अगले पांच वर्षों में इसे बढ़ाकर 20 गीगावॉट से अधिक करना चाहती है। कंपनी रूफटॉप और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग खंड में अगले पांच वर्षों में एक

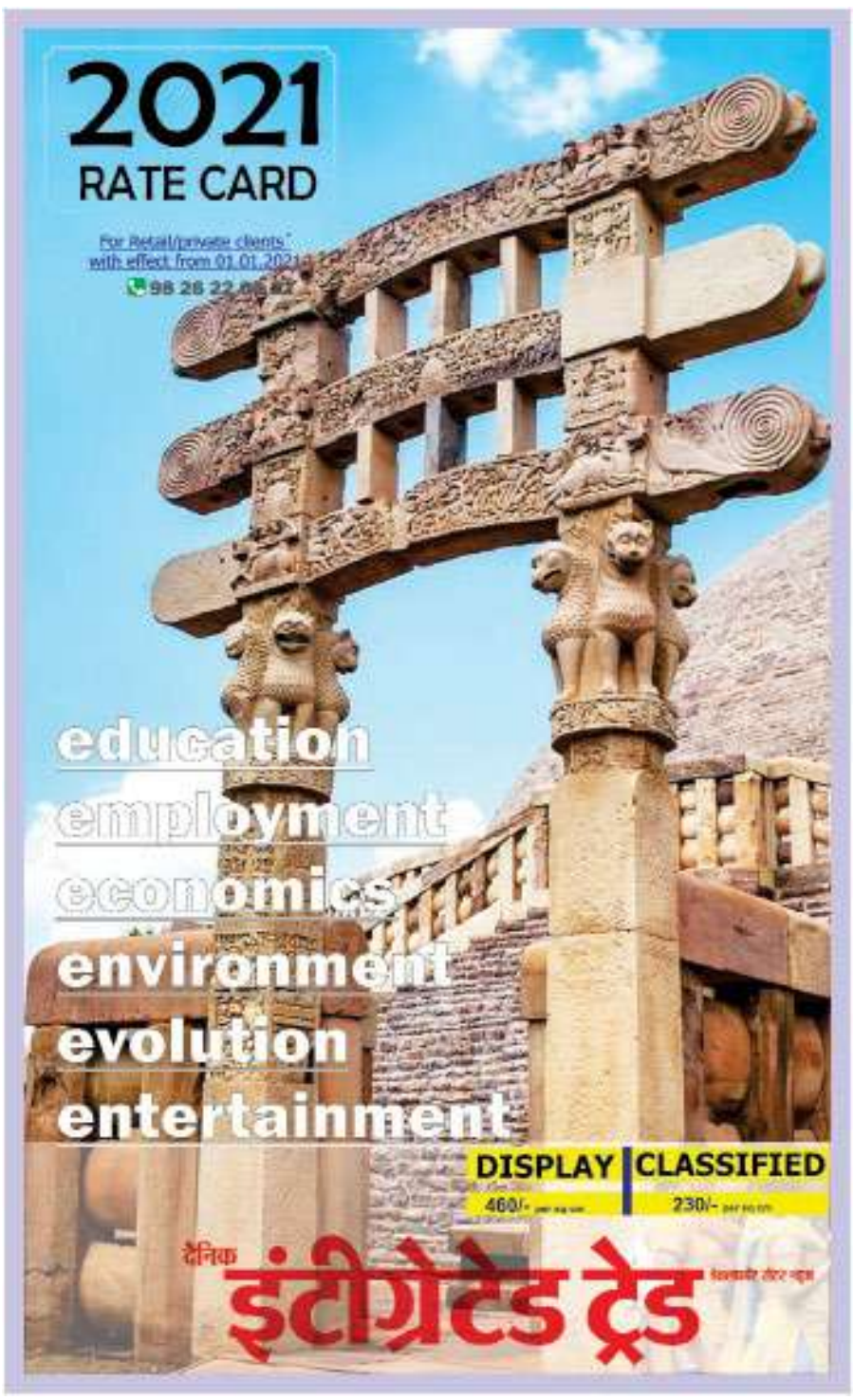

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)